राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार ,14 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–263 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चार साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी देर रात गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत, सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में रहनेवाले एक श्रमिक परिवार की चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने देर रात उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स तीन संतानों का पिता है और ईश्वरनगर में परिवार के साथ रहता है। जानकारी के मुताबिक बीती रात सूरत के सचिन जीआईडीसी में रहनेवाले श्रमिक परिवार की चार वर्ष की बेटी को 38 वर्षीय अरमान केवट बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसे झाडियों फैंक कर फरार हो गया। सूनसान इलाका होने की वजह से अरमान को लगा कि उसे किसी ने देखा नहीं है, इसलिए वह बेखौफ होकर अपने घर पहुंच गया। दूसरी ओर मासूम बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने 100 से अधिक जवानों की टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज, मुखबिरों और 200 से अधिक स्थानीय लोगों से पूछताछ की और आरोपी तक पहुंच गया। पुलिस ने रात करीब साढे तीन बजे अरमान केवट को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस आज कोर्ट में पेश करेगी।

पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बैंक लूटकर निकले चोरों की बाइक खराब, धक्का लगा कर भागे

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत,गुजरात के बारडोली में दिन दहाड़े बैंक लूट लिया गया है। यहां तीन चोरों ने देशी तमंचों के सहारे 10 लाख रूपये से ज्यादा की नगदी पर हाथ साफ किया है। लूट के बाद भाग रहे तीनों चोरों की मोटरसाइकिल ही खराब हो गई। इतना ही नहीं मुश्किल में फंसे लुटेरे रूपयों के साथ खराब बाइक को भी लेकर भागे। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा एक अन्य लूट की घटना में लुटेरों ने सूरत में एक बिल्डर से चोरों ने 90 लाख रूपये लूट लिए।

जानकारी के अनुसार सूरत जिला सहकारी बैंक की मोटा गांव स्थित शाखा में तीन लुटेरों ने धावा बोला। आसपास के इलाके में शांति और बैंक में कम गतिविधियों को भांपकर लुटेरें भवन में पहुंचे और कर्मचारियों को बंधक बना लिया। सीसीटीवी में लुटेरे एक महिला कर्मचारी समेत स्टाफ के कई सदस्यों के साथ हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। चोरों के हाथ में देशी तमंचे भी थे। लूट की रकम 10 लाख 43 हजार रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि लुटेरे चेहरा कवर कर दोपहर करीब 1:30 बजे मोटरसाइकिल से यहां पहुंचे थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और कई इलाकों में आरोपियों की तलाशी की जा रही है। लुटेरों ने सिक्युरिटी गार्ड की गैर-मौजूदगी में इस घटना को अंजाम दिया। बैंक लूटने के बाद निकले लुटेरों 100 मीटर दूर एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गए। सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि दो चोर खराब बाइक को धक्का लगा रहे हैं। जबिक, एक लुटेरा नगदी से भरा थैला लेकर भाग रहा है।

100 मीटर दूर एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुए लुटेरे

राज्यपाल ने गुजरात हाईकोर्ट के नव नियुक्तमुख्य न्यायधीश को शपथ दिलाई

क्रांति समय दैनिक समाचार

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज राजभवन में गुजरात हाईकोर्ट के नव नियुक्त मुख्य न्यायधीश अरविंद कुमार को शपथ दिलवाई। भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, विधानसभा की अध्यक्षा डॉ.नीमा आचार्य, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, सड़क एवं आवास मंत्री पूर्णेश मोदी, आदिजाति विकास मंत्री नरेश पटेल, ग्रामीण विकास मंत्री अर्जुनसिंह चौहान, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा, नर्मदा, जल, संपत्ति एवं मत्स्योद्योग राज्य मंत्री जीतु चौधरी समेत मंत्री परिषद के सदस्य, गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश, मुख्य सचिव, वरिष्ठ अधिवक्ता, वरिष्ठ सचिव के अलावा राज्य सरकार और गुजरात हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

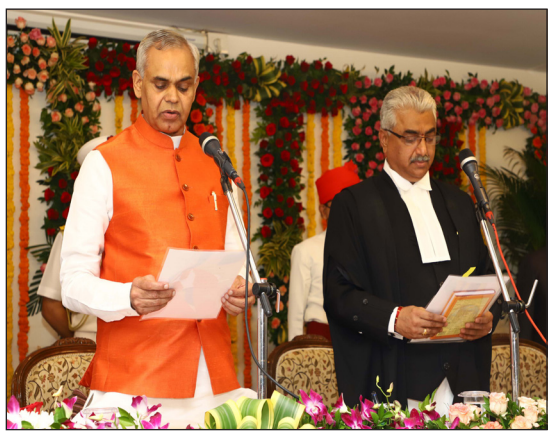

सुचना का अधिकार अधिनियम-2005 की 16 वी वर्षगाँठ पर प्रदेशभर की आरटीआई कार्यकर्ता ने कार्यक्रम आयोजन किया गया.

अखिल भारतीय एक्टिविस्ट मंच और लीगल अमिब्ट की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया.

एएमसी में पशु विभाग का पीआई रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के पशु विभाग में सेवारत पीआई एफएम कुरैशी को रिश्वत रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने शिकायतकर्ता से रु 10000 का हप्ता और दिवाली बोनस के तौर पर रु 10000 की मांगे थे। बता दें कि शहरों में आवारा पशुओं की गंभीर समस्या है। सड़कों पर पशुओं के झुंट से आए दिन दुर्घटना तो कभी राहगिर को उछाल देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। अहमदाबाद महानगर पालिका के पशु विभाग द्वारा ऐसे आवारा पशुओं को पकड़ा जाता है और बाद में छोड़ भी दिया जाता है। पकड़े गए पशुओं को उनके मालिकों से हप्ता मिलने के बाद छोड़ दिया जाता है और इसका सबूत सामने आया है। पशु विभाग में कार्यरत कर्मचारी और पुलिसकर्मी पशु मालिकों से हप्ता वसूली करते हैं। पशु विभाग में सेवारत एफएम कुरैशी को एसीबी ने रिश्वत की रकम लेते हाथ गिरफ्तार कर लिया। दरअसल एफएम कुरैशी ने पशु मालिक से रु 10000 का हप्ता और दिवाली के बोनस के तौर पर रु 10000 की मांग की थी। पशु मालिक ने एसीबी से इसकी शिकायत कर दी। जिसके आधार पर एसीबी ने शहर के एयरपोर्ट सर्कल के निकट जाल बिछाया और एफएम कुरैशी को उस समय दबोच लिया जब वह रिश्वत की रकम ले रहा था।

आरोपी पीआई एफएम कुरैशी की तस्वीर

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लखीमपुर और राजनीति

लखीमपुर खीरी कांड में मृत चार किसानों और एक पत्रकार का अंतिम अरदास समारोह मौके की गरिमा के अनुकूल तो हुआ ही, इसका शांतिपूर्ण समापन स्थानीय प्रशासन के लिए भी किसी राहत से कम नहीं रहा। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुछ राजनेताओं के पहुंचने की खबर को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं, लेकिन आयोजकों और नेताओं, दोनों ने अपने-अपने तईं मर्यादित आचरण ही किया। किसी भी समाज में शांति-व्यवस्था के लिए यह बहुत जरूरी होता है कि सभी अपने-अपने दायरे का सम्मान करें। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने कई परिवारों को कभी न भूलने वाला जख्म दे दिया है, पर चिंता इस बात की थी कि इसके बाद पैदा हुए जनाक्रोश व राजनीतिक सरगर्मियों से समाज को कहीं और गहरे जख्म न मिल जाएं। लेकिन कल के कार्यक्रम से यही संदेश निकला कि शांतिपूर्ण तरीकों से भी इंसाफ की मांग की जा सकती है और उसके लिए दबाव बनाया जा सकता है। निस्संदेह, इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य सरकार की भूमिका समझदारी भरी रही। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों और खीरी के आंदोलित किसानों से संवाद करने में देरी नहीं की। मृतकों के आश्रितों के लिए नगद मुआवजे व दूसरे राहत उपायों की घोषणा, नामजद एफआईआर, और फिर आरोपी मंत्री-पुत्र की गिरफ्तारी से लोगों में यही संदेश गया कि प्रशासन का रवैया टालमटोल वाला नहीं है। मुमकिन है, इसमें आसन्न विधानसभा चुनाव और इस दुखद घटना के आरोपियों के विरुद्ध व्यापक जनभावना ने बड़ी भूमिका निभाई हो, पर क्या यही आदर्श स्थिति भी नहीं है? कोई भी देश या समाज अपराध या अपराधियों से पूर्णत- मुक्त नहीं हो सकता, लेकिन उसके सभ्य होने की कसौटी यही है कि पीड़ित और उत्पीड़क के प्रति उसका आचरण कैसा रहा? क्या वह पीड़ित के साथ इंसाफ और उत्पीड़क को दंडित कर सका? लखीमपुर खीरी मामले पर सियासत अभी होगी। आगामी विधानसभा चुनावों तक न तो किसान संगठन, और न ही भाजपा विरोधी पार्टियां इसकी आंच मद्धम पड़ने देंगी। वैसे भी, जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें किसानों का काफी रसूख व असर है। उत्तर प्रदेश सरकार के लिए चुनौती दोहरी है। एक तो उसे राजनीतिक स्तर पर अपने विरोधियों का मुकाबला करना है और दूसरी, कानून-व्यवस्था को बनाए रखना है। अब तक लखीमपुर मामले में जैसी मुस्तैदी बरती गई है, यदि वह आगे भी बनी रही, तो सत्तारूढ़ पार्टी कहीं बेहतर बचाव करने में समर्थ होगी, साथ ही जल्द न्याय की उम्मीद लोगों को असंतुष्ट होने से भी रोकेगी। वैसे तो, यह किसी भी शासन-प्रशासन का स्वाभाविक गुण होना चाहिए, लेकिन सरकारों की दलगत पक्षधरता ने हमारे प्रशासनिक ढांचे को किस कदर नुकसान पहुंचाया है, यह बताने की जरूरत नहीं है। लखीमपुर खीरी कांड और उसके बाद के घटनाक्रम तमाम राज्य सरकारों के लिए एक सबक है कि त्वरित कार्रवाई कैसे समाज में शांति बहाल करती है। अगर हमारे शासक यह समझ लें कि बेहतर प्रशासन सर्वोत्तम राजनीति है, तो उन्हें अपने विरोधियों की बाड़ेबंदी की दरकार ही न हो। वैसे भी, लोकतंत्र में इस तरह की कोशिशें जनता के मन में संदेह को ही जन्म देती हैं।

हम सबकी जिम्मेदारी व समय की मांग है 'सिटीजन जर्नलिज्म'

- डॉ. पवन सिंह मलिक

सिटीजन जर्नलिज्म शब्द जिसे हम नागरिक पत्रकारिता भी कहते हैं, आज आम आदमी की आवाज बन गया है। यह समाज के प्रति अपने कर्तव्य को समझते हुए, संबंधित विषय को कंटेंट के माध्यम से तकनीक का सहारा लेते हुए अपने लक्षित समूह तक पहुंचाने का एक जज्बा है। वर्तमान में नागरिक पत्रकारिता कोई नया शब्द नहीं रह गया है बल्कि आज इस विधा से न जाने कितने ही लोग अपनी सशक्त भूमिका निभाते हुए दिखाई देते हैं। आज नागरिक पत्रकारिता के माध्यम से किये गये प्रयासों से अनेकों सकारात्मक परिवर्तन अपने आसपास होते हुए दिखाई भी देते हैं। जैसे-जैसे नागरिक पत्रकारिता का विस्तार हो रहा है वैसे-वैसे इसके तौर-तरीकों में भी बदलाव दिखाई देने लगा है। आज शब्दों के साथ-साथ वर्चुअल मीडिया, न्यू मीडिया, क्रॉस मीडिया का महत्व भी बढ़ गया है। इसलिये नागरिक पत्रकारिता के लिये अब कलम के साथ-साथ माउस की ताकत, न्यू मीडिया की तकनीक व पहुँच को समझना भी आवश्यक हो गया है।

सिटिजन जर्नलिज्म के मायने

हम नागरिक पत्रकार क्यों बनें ? इस एक प्रश्न के सही चिंतन व विश्लेषण से ही सार्थक नागरिक पत्रकार बनने की दिशा तय होती है। तभी नागरिक पत्रकार किसी मीडिया संस्थान से न जुड़े होने के बावजूद भी निष्पक्ष भाव से समाचार सामग्री का सृजन कर पायेगा। नागरिक पत्रकारिता के कारण ही कौन से समाचार प्रकाशित एवं प्रसारित होंगे, ये निर्णय अब केवल कुछ मुट्ठी भर लोगों का नहीं रह गया है। नागरिक पत्रकारिता की भूमिका व नये मीडिया तक उसकी पहुँच ने अब सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। कभी-कभी तो यहां तक देखने में आता है कि किसी खबर को सर्वप्रथम नागरिक पत्रकारिता के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से सामने लाया गया और बाद में मुख्यधारा की मीडिया में वो खबर प्रमुखता से छा गई। नागरिक पत्रकारिता एक ओर जहाँ समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन है वहीं दूसरी ओर मीडिया में समाज की सहभागिता बढ़ाने हेतु एक तरीका व अवसर भी है।

सिटिजन जर्नलिज्म की चुनौतियां व समाधान

सही मायने में नागरिक पत्रकारिता आम आदमी की अभिव्यक्ति है। आम आदमी से जुड़ी ऐसी अनेकों कहानियाँ है जो परिर्वतन की वाहक बनती है। व्यवस्था का ध्यान आकर्षित करना हो या व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करना हो, नागरिक पत्रकारिता धीरे-धीरे एक प्रभावी जरिया बनकर उभर रही है। नागरिक पत्रकारिता जहाँ एक अवसर व अपनी भूमिका को निभाने का एक सशक्त माध्यम दिखाई देता है, वहीं इसमें अनेक प्रकार की चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो इस शब्द की स्वीकृति को लेकर ही कुछ वर्गों में दिखाई देती है। कुछ लोगों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति किसी सूचना व जानकारी को प्रचारित व प्रसारित करता है तो क्या उसे पत्रकार मान लिया जाए ? नागरिक पत्रकारिता की सही से समझ व अवधारणा को लेकर भी कभी-कभी विरोधाभास दिखाई देता है। समाज में इसका स्पष्ट व एक जैसे स्वरूप का निर्धारण भी अभी दिखाई नहीं देता। नागरिक पत्रकारिता के नाम पर किसी के जीवन के व्यक्तिगत पहलू जिसका समाज से सीधा-सीधा कोई सरोकार नहीं है एवं सनसनीखेज खबरों को सोशल मीडिया के माध्यम से दिखा देना भी एक बड़ी चुनौती है। इन सब चुनौतियों के बावजूद भी नागरिक पत्रकारिता में असीम संभावना है। वर्तमान तकनीक के माध्यम से पत्रकारिता के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए, उपलब्ध माध्यमों का प्रयोग कर व्यक्ति नागरिक पत्रकारिता के रूप में अपने को स्थापित कर सकता है। नागरिक पत्रकारिता से शुरू होकर मुख्य मीडिया तक का सफ़र आज असंभव नहीं रह गया है। बस आवश्यकता है तो नागरिक पत्रकारिता के प्रति ठीक समझ विकसित करने की। इसके लिए उसे नागरिक पत्रकारिता के प्रकार, माध्यम एवं अभ्यास के तरीकों को अपनाना होगा। उसे यह समझना होगा कि नागरिक पत्रकारिता लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक मंच है। सूचना के अधिकार को किस प्रकार नागरिक पत्रकारिता का पर्याय बनाया जा सकता है यह भी उसको सीखना होगा। भाषा की शुद्धता और उसका स्तर बनाए रखना भी इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नागरिक पत्रकारिता करते हुए किस प्रकार के विषयों का चयन किया जाए और उन्हें अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए छायाचित्र, वीडियो व ग्राफिक्स के महत्व को भी उसे समझाना होगा।

तकनीक ने किया सिटिजन जर्नलिज्म का विस्तार

पिछले कुछ वर्षों में देश में नागरिक पत्रकारिता के लिए स्थितियां अनुकूल हुई हैं। इंटरनेट के विस्तार से इसे मजबूत रीढ़ मिली है। देश में डेटा की खपत अमेरिका और चीन की कुल डेटा खपत से भी ज्यादा है। नई पीढ़ी भी खबर की खोज में नए साधनों की ओर मुड़ने लगी है। नागरिक पत्रकारिता ने स्थापित मीडिया को हर क्षेत्र में ललकारा है। नागरिक पत्रकारिता के प्रभाव से मुख्यधारा का मीडिया भी अछूता नहीं हैं। उसमें उत्पन्न बदलावों को महसूस किया जा सकता है। इसे आगे बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है टेक्नोलॉजी ने। आज हर नागरिक अपने फोन के माध्यम से दुनिया के साथ हर पल जुड़ा हुआ है। वह कहीं से भी किसी को तस्वीरें, वीडियो और आलेख भेज सकता है। पहले कंटेंट का निर्माण कुछ विशेषज्ञों तक ही सीमित था। मौजूदा दौर में इंटरनेट से जुड़ा तकरीबन हर व्यक्ति लगातार कंटेंट का निर्माण ही नहीं कर रहा बल्कि उसे सतत सम्प्रेषित भी कर रहा है। सोशल मीडिया ने ऐसे एप्लिकेशन विकसित कर लिए हैं, जिससे तकरीबन हर कोई अपनी भाषा में, चाहे सीमित दायरे में ही क्यों न हो, एक मीडियाकर्मी बन चुका है। फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, वीचैट, टिकटॉक को आज किसी भी बड़े मीडिया संस्थान से कहीं बड़े मीडिया उपक्रम हैं। लेकिन ध्यान रखने की बात है कि इन सब प्लेटफॉर्म पर कंटेंट आम नागरिक ही बनाते और सम्प्रेषित करते हैं। कंज्यूमर स्नैपशॉट सर्वे के अनुसार कोरोना लॉकडाउन से पहले एक यूजर्स सोशल मीडिया पर औसतन रोज 150 मिनट बिताते थे। वहीं 75 प्रतिशत यूजर्स ने जब फेसबुक, वॉट्सऐप औप ट्विटर पर ज्यादा टाइम खर्च करना शुरू किया तो यह डेली 150 मिनट से बढ़कर 280 मिनट हो गया। वर्तमान में भारत में तकरीबन 350 मिलियन सोशल मीडिया यूजर हैं और अनुमान के मुताबिक 2023 तक यह संख्या लगभग 447 मिलियन तक पहुँच जाएगी। इस प्रकार हम देखते हैं कि सोशल मीडिया के सही उपयोग द्वारा सिटिजन जर्नलिज्म कैसे समाज व आम आदमी की आवाज बन सकता है।

सिटिजन जर्नलिज्म की संभावना व भूमिका आने वाले समय और अधिक बढ़ने वाली है। 'कभी भी युद्ध नहीं जीता जाता, बल्कि छोटे-छोटे मोर्चे जीतने के बाद ही युद्ध जीता जाता है।' इसी प्रकार सिटिजन जर्नलिज्म के रूप में आज छोटे-छोटे मोर्चों पर हमें अपनी भूमिका तय करनी होगी। उसके लिए जिस प्रकार के प्रशिक्षण, योग्यता व समझ की आवश्यकता है उसे सीखना होगा। तभी सिटिजन जर्नलिज्म के माध्यम से समाज में हम जिस प्रकार के सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहते है, वो ला पायेंगे। यानि भरोसे से कहा जा सकता है कि इस राह का भविष्य उज्ज्वल है।

(लेखक, जेसी बोस विवि, फरीदाबाद में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

'आज के ट्वीट

आशीर्वाद

ॐ देवी महागौर्यै नमः

माँ दुर्गा की अष्टम स्वरूपा भगवती महागौरी से प्रार्थना है कि प्रदेशवासियों पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें व समस्त रोग-दोष का नाश कर सुखमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें। -- मु. योगी आदित्यनाथ

मां की महत्ता

जग्गी वासुदेव/ जब वे कहते हैं, 'माता, पिता, गुरु , दैवम' तो वास्तव में उनका कहना ये है कि, 'माता, पिता, गुरु और दिव्यता'। मैं चाहता हूं कि आप इसे सही संदर्भ में समझें। जब आप का जन्म होता है तब आप के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति कौन होता है? ईर तो बिलकुल ही नहीं! न ही गुरु , और न ही पिता!! ये मां होती है। उस समय, जब आपको स्तनपान की, गले लगाने और चूमे जाने की तथा पोषित किये जाने की आवश्यकता है, तब मां ही महत्वपूर्ण है। मुझे नहीं लगता कि इसे कहने की भी कोई जरूरत है। यह एकदम स्पष्ट ही है। जीवन स्वयं यह कह रहा है कि नवजात शिशु के लिये मां सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब वे कहते हैं,'माता, पिता, गुरु , दैवम' तो वे बस जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया के बारे में ही एक वक्तव्य दे रहे हैं। जब बच्चा चलना शुरू करता है तो पिता महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि पिता को बाहरी दुनिया की परिस्थितियों के बारे में जानकारी है, वहां उसकी पहुंच है। इसे आज के संदर्भ में मत देखिये, उन दिनों, पिता की भूमिका महत्वपूर्ण होती थी। अगर बच्चे को दुनिया के बारे में, जीवन के कौशलों के बारे में तथा समाज में कैसे रहना है, इसके बारे में जानना हो तो उन दिनों पिता की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जब ये सब हो जाता है तो एक उच्चतर संभावना को प्राप्त करने के लिये, गुरु आवश्यक है। अगर आप को एक उच्चतर संभावना के बारे में जिज्ञासा है, उसे पाने की ललक है और आप उसे पाने में सफल हो जाते हैं तो दिव्यता एक स्वाभाविक वास्तविकता हो जाती है। संस्कृत की आधी-अधूरी समझ होने के कारण लोग हर तरह के अर्थ निकालते रहते हैं। मां कहती है,'ये उक्ति बताती है कि मां ही प्रथम है, तुम्हें पूर्ण रूप से मेरे प्रति ही समर्पित होना चाहिए'। पिता कहता है,'मैं दूसरे नंबर पर हूं, तुम्हें मेरे प्रति समर्पित होना चाहिए, गुरु और फिर परमात्मा की तरफ आगे मत बढ़ो, यह आवश्यक नहीं है'। अगर लोग इस तरह की बात करने की कोशिश कर रहे हैं तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि आप की मां सिर्फ मां नहीं है, पिता सिर्फ पिता नहीं हैं, वे भी उसी तरह के जीव हैं जैसे कि आप हैं। उनका भी विकास होना चाहिए। उनका विकास तो आप से पहले होना चाहिए था। अगर माता -पिता विकसित होना भूल गए और बच्चे उन्हें राह दिखा रहे हैं, तो ये बड़े सौभाग्य की बात है। माता-पिता को इसका सदुपयोग करना चाहिए।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से संबंधों को नई गति

- डॉ. रमेश ठाकुर

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन का तीन दिवसीय भारत दौरा कई मसलों के लिए अहम रहा है। दौरे से दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत मिली, साथ ही व्यापारिक दृष्टिकोण से कई ऐसे क्षेत्रों में सहमति बन सकी जो भारत-डेनमार्क के मध्य आयात-निर्यात को और आगे बढ़ाने का काम करेंगे। कोरोना काल में धीमी पड़ी दोनों देशों के बीच वार्ता को भी नया आयाम मिला है। डेनमार्क प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, कारोबार, निवेश सहित द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयामों पर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विस्तृत चर्चा की। मेटे ने भारत में तीन दिनी दौरा जिस ऊर्जा के साथ किया, प्रधानमंत्री मोदी ने भी तारीफ की। वार्ता के उपरांत जब मीडिया को दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से संबोधित किया तो डेनमार्क पीएम मेटे ने भी मोदी की तारीफों का पुल बांधते हुए उन्हें दुनिया के लिए प्रेरणादायक और देश-दुनिया के लिए विजनरी नेता बताया। दुनिया इस बात को जानती है कि डेनमार्क काफी समय से निःस्वार्थ भाव से जनमानस को स्वच्छ पानी और नवीकरणीय ऊर्जा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके द्वारा हासिल महत्वाकांक्षी लक्ष्य को भारत सरकार ने भी सराहा और दुनिया के अन्य देश भी प्रशंसा कर रहे हैं। गौरतलब है भारत और डेनमार्क के सामरिक रिश्ते सालों से मधुर रहे हैं जिनमें सांस्कृतिक और व्यापारिक दोनों शामिल हैं। दोनों मुल्क सदियों से एक-दूसरे के व्यापारिक साझेदार रहे हैं। कभी ऐसा मौका नहीं आया जब किसी तरह कोई कोई दिक्कतें हुई हो। मौजूदा समय में करीब दो सौ से ज्यादा डेनमार्क की कंपनियां समूचे भारत में कार्यरत हैं। वहीं, भारत की भी 60-70 कंपनियां वहां अपना कार्य कर रही हैं। व्यापार के लिए दोनों जगहों का माहौल बहुत अच्छा है। कोविड में भी सभी कंपनियां बिना रुके सक्रिय रहीं, सरकारों ने प्रत्येक जरूरत की भरपाई समय-समय पर की। भारत-डेनमार्क की कंपनियां स्वच्छ प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि एवं पशुपालन, जल एवं कचरा प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटलीकरण, स्मार्ट सिटी, पोत क्षेत्र की सभी कंपनियां और प्रतिष्ठान अच्छे वातावरण में काम कर रही हैं। क्योंकि दोनों तरफ मजबूत सहयोग मिल रहा है। फिलहाल मेटे फ्रेडरिक्सन की भारत यात्रा से एक और नए दिशा में अच्छी पहल हुई है, वह है हरित सामरिक गठजोड़। जिसमें दोनों देश सहमत हुए हैं। हरित क्षेत्र में नई दिशा देना समय की जरूरत है इसमें स्वच्छ वातावरण, जलवायु क्षेत्र, आपदाओं से निबटने की कोशिशें आदि शामिल हैं। कोरोना के बाद समूचा संसार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस वक्त जो भी बड़ा नेता किसी अन्य देश का दौरा कर रहा है, अपने दौरे में हरित मुद्दे को जरूर जोड़ रहा है, जोड़ना भी चाहिए, इससे मानवीय जीवन का संरक्षण जो निहित है। नित बदलते पर्यावरण को देखते हुए भारत-डेनमार्क के संयुक्त रूप से हरित सामरिक के क्षेत्र में साझा प्रयास सराहनीय है। इस गठजोड़ को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन का द्विपक्षीय संवाद के लिए स्वागत भी किया। गौरतलब है, हरित क्षेत्र को नई गति देने के लिए इस वक्त सभी देश आपस में मिलकर काम कर रहे हैं। इस तरह की कोशिशें अब एशियाई मुल्कों में भी होनी शुरू हुई है, जो अति आवश्यक है। डेनमार्क-भारत के मध्य हरित सामरिक संग्राम का काम वैसे तो एकाध वर्षों से शुरू हो चुका है, लेकिन बीते इन्हीं दिनों में कोरोना संकट के चलते काम थोड़ा हल्का पड़ा था जिसे फिर से आरंभ करने पर सहमति बनी है। इस मुद्दे को लेकर मेटे फ्रेडरिक्सन की यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके साथ बैठक कर हरित सामरिक के प्रगति पर बातचीत की और इसकी समीक्षा भी हुई। पिछले ही साल 28 सितंबर 2020 को वर्चुअल मीटिंग के जरिए शिखर बैठक में भारत-डेनमार्क ने हरित सामरिक गठजोड़ को हरी झंडी दिखाई थी। हालांकि उसकी व्यक्तिगत समीक्षा के लिए हाल में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डेनमार्क का दौरा भी किया था जिसकी प्रगति रिपोर्ट को उन्होंने प्रधानमंत्री से साझा किया था। बहरहाल, मेटे फ्रेडरिक्सन ने अपनी भारत यात्रा में दोनों मुल्कों के दरम्यान व्यापारिक पक्षों और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और बहुस्तरीय मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। पूर्व में डेनमार्क के साथ भारत के कारोबारी एवं निवेशी संबंध बहुत ही मजबूत रहे हैं, उनमें और गति मिले, इसे ध्यान में रखकर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने अगले दस वर्षों का व्यापारिक ब्लू प्रिंट तैयार किया। अगले दस वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के यहां कई करोड़ों को निवेश करेंगे, उन सभी समझौतों पर सौहार्द्रपूर्ण सहमति बनाई गईं। अभी फिलहाल दोनों तरफ जितनी कंपनियां सक्रिय हैं उनमें और इजाफा किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिनमें सबसे ज्यादा जोर नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जल एवं कचरा प्रबंधन, कृषि एवं पशुपालन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटकलीकरण, स्मार्ट सिटी व पोत क्षेत्रों में दिया जाएगा। कुल मिलाकर मेटे फ्रेडरिक्सन की भारत यात्रा ने दोनों देशों के सामरिक संबंधों को संबल दिया है। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी डेनमार्क आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। संभावना है प्रधानमंत्री मोदी भी जल्द डेनमार्क का दौरा कर सकते हैं। यात्रा के अंतिम दिन जाते वक्त डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा भी कि हिंदुस्तान को डेनमार्क अपना एक बेहद करीबी भागीदार मानता है। अपनी यात्रा को उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मील के पत्थर जैसा बताया। उन्होंने उम्मीद भी जताई कि यह सिलसिला हमेशा यूं ही यथावत रहे। बहरहाल, भारत-डेनमार्क के द्विपक्षीय संबंधों में नियमित तौर पर उच्चस्तरीय आदान-प्रदान समय-समय पर होते रहे हैं। मौजूदा यात्रा ऐतिहासिक संबंधों, साझा लोकतांत्रिक परंपराओं और अन्य क्षेत्रों के लिए साझा विचारों के साथ अंतरराष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता पर आधारित भी रही। फिलहाल यात्रा के बाद दोनों मुल्कों को और करीबी संबंध मजबूत होने की उम्मीद जगी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

रुपये में तेजी

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने के बाद अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में तेजी लौटी और रुपया 15 पैसे की तेजी के साथ 75.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.29 रुपये पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान यह 75.19 से 75.51 रुपये के दायरे में रहा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की तेजी के साथ 75.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 75.52 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी घटकर 94.26 रह गया।

फोर्ड ने यूएस में 126,000 एक्सप्लोरर मॉडल वापस मंगाए

- वाहनों में रियर सस्पेंशन फेल होने की संभावना

नई दिल्ली। फोर्ड मोटर कंपनी ने रियर सस्पेंशन फेल होने की संभावना को देखते हुए यूएस में 126,000 एक्सप्लोरर मॉडल वापस मंगाए हैं। बताया गया है` कि इन वाहनों में सस्पेंशन घटक होते हैं जिनके टूटने की संभावना अधिक हैं। इन मॉडल में 2011-2013 मॉडल वर्ष एक्सप्लोरर्स भी शामिल हैं जिन्हें पहले इसी मुद्दे के लिए 2019 के जुलाई में भी वापस बुलाया गया था। पहले से प्रभावित वाहनों को फोर्ड डीलरशिप में एक रियर के साथ सर्विस किया गया हो सकता है, जिसमें जेडएफ द्वारा उत्पादित एक टो लिंक क्रॉस-एक्सिस बॉल जॉइंट अटैचमेंट होता है जो सीज हो सकता है, जिससे रियर सस्पेंशन टो लिंक के आउटबोर्ड सेक्शन में दरार आ सकती है। यदि रियर लिंक टूट जाता है तो इससे स्टीयरिंग पर नियंत्रण कम हो सकता है, जिससे दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाएगा। फोर्ड द्वारा एकत्र किए गए फील्ड डेटा के अनुसार, रियर टो लिंक विशेष रूप से उच्च संक्षारण भेद्यता वाले क्षेत्रों में कमजोर होता है जहां सर्दियों में रोड सॉल्ट का उपयोग किया जाता है। फोर्ड द्वारा रिकॉल में 2011 के 39,747 एक्सप्लोरर मॉडल, 2012 के 41,572 और 2013 के 44,714 मॉडल शामिल हैं। प्रभावित वाहन 17 मई, 2010 से 3 सितंबर, 2012 के बीच बनाए गए थे। विशेष रूप से रिकॉल उन एक्सप्लोरर मॉडल को प्रभावित करता है जो पंजीकृत हैं या अमेरिका के कुछ क्षेत्रों जैसे कनेक्टिकट, डेलावेयर, इलिनोइस, इंडियाना, आयोवा में नए बेचे गए हैं। फोर्ड कंपनी ने इस बात की सूचना दी है कि प्रभावित वाहनों के मालिकों को इस साल 1 नवंबर से मेल द्वारा सूचित किया जाएगा। जिसके बाद उन्हें अपने वाहन को नजदीकी स्थानीय फोर्ड या डीलरशिप पर ले जाने की सलाह दी जाएगी। डीलरशिप पर इंजीनियर प्रभावित वाहन के निलंबन का निरीक्षण करेंगे और यदि उन्हें पता चलता है कि पिछले रिकॉल से`` रिप्लेसमेंट कम्पानेंट मौजूद हैं तो वे इसे और अन्य घटकों को आवश्यकतानुसार बदल देंगे। फोर्ड डीलरशिप निरीक्षण और बदलाव मुफ्त में करेगी। ऑटोमेकर ने निलंबन के विफल होने के जोखिम के कारण हुई किसी दुर्घटना या दुर्घटना के बारे में भी सूचित नहीं किया है।

वर्ष 2021-22 में भारत की अर्थव्यवस्था 8.5 दर से बढ़ने की उम्मीदः आईएमएफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी ताजा अनुमानों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था के वर्ष 2021 में 9.5 प्रतिशत और 2022 में 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। आईएमएफ के ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में भारत के वृद्धि अनुमानों को इस साल जुलाई में जारी अपने पिछले अनुमान पर स्थिर रखा गया है, हालांकि यह अप्रैल के अनुमानों के मुकाबले 1.6 प्रतिशत कम है। आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक से पहले जारी ताजा डब्ल्यूईओ के अनुसार 2021 में पूरी दुनिया की वृद्धि दर 5.9 प्रतिशत और 2022 में 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अमेरिका के इस साल छह फीसदी और अगले साल 5.2 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। इन पुर्वानुमानों के मुताबिक चीन की अर्थव्यवस्था 2021 में आठ प्रतिशत और 2022 में 5.6 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

शेयर बाजार रिकार्ड उछाल के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को रिकार्ड उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और इन्फोसिस के शेयरों में उछाल से बाजार में यह तेजी आयी है। दिन भर के कारोबार के दौरान तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 60,836.63 अंक तक पहुंचने के बाद अंत में यह 452.74 अंक करीब 0.75 फीसदी ऊपर आकर 60,737.05 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 169.80 अंक तकरीबन 0.94 फीसदी की तेजी के साथ ही 18,161.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह रिकॉर्ड 18,197.80 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी के साथ सबसे ज्यादा लाभ में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर रहे। इसके अलावा आईटीसी, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन और टाटा स्टील के शेयरों में भी तेजी आई। वहीं दूसरी ओर मारुति, एचयूएल, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और एसबीआई के शेयर गिरे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार वित्तीय कंपनियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज में आई बढ़त से बाजार को सहारा मिला है। टाटा समूह के शेयर खासकर टाटा मोटर्स पर भी निवेशकों की नजरें लगी रहीं। कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई में टीपीजी के एक अरब डॉलर के निवेश की से भी इसके शेयर उछले हैं।

सोने , चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घरेलू बाजार में सोने , चांदी की कीमतों में तेजी आई है। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 63 रुपये की बढ़त के साथ ही 46,329 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 46,266 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत भी 371 रुपये बढ़कर 60,788 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,417 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,768 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 22.80 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही। ''

महंगाई से राहत! खाद्य तेल सस्ता करने के लिए सरकार ने लिया बड़ा फैसला

बिजनेस डेस्कः महंगे खाद्य तेल से जनता को राहत देने के लिए सरकार ने बुधवार को पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की कच्ची किस्मों पर मार्च, 2022 तक के लिए बेसिक कस्टम ड्यूटी समाप्त करने के साथ ही साथ कृषि उपकर में भी कटौती करने की घोषणा की है। यह एक ऐसा कदम है जो त्योहारी मौसम में खाद्य तेलों की कीमतों को कम करने और घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने में मदद करेगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में कटौती 14 अक्टूबर से प्रभावी होगी और 31 मार्च, 2022 तक लागू रहेगी। कच्चे पाम तेल पर अब 7.5 प्रतिशत का कृषि अवसंरचना विकास उपकर (एआईडीसी) लगेगा, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल के लिए यह दर पांच प्रतिशत होगी। इस कटौती के बाद पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की कच्ची किस्मों पर प्रभावी सीमा शुल्क क्रमशः 8.25 प्रतिशत, 5.5 प्रतिशत और 5.5 प्रतिशत होगा। इसके अलावा सूरजमुखी, सोयाबीन, पामोलिन और पाम तेल की परिष्कृत किस्मों पर मूल सीमा शुल्क मौजूदा 32.5 प्रतिशत से घटाकर 17.5 प्रतिशत कर दिया गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा कि घरेलू बाजार और त्योहारी मौसम में खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटा दिया है।

रिलायंस ने जर्मनी की Ne&wafe में किया बड़ा निवेश, भारतीय बाजार के लिए बनाएगी सिलिकॉन वेफर्स

(एजेंसी):

विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड (आरएनईएसएल) ने जर्मनी और डेनमार्क की दों कंपनियों के साथ साझेदारियों की घोषणा की। आरएनईएसएल ने मंगलवार देर रात जारी बयान में बताया कि वह जर्मनी की नेक्सवेफ में 2.5 करोड़ यूरो का निवेश करेगा। साथ ही कंपनी ने डेनमार्क की स्टिस्डल के साथ रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया। इस समझौते पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फेडरिकसेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे।

क्या करती है नेक्सवेफ

रिलायंस के मुताबिक नेक्सवेफ में निवेश भारतीय बाजार के लिए रणनीतिक साझेदारी के तहत किया गया है। अपने बयान में आरएनईएसएल ने कहा कि वह नेक्सवेफ के 86,887 सीरीज-सी प्रीफेर्ड शेयर 287.73 यूरो प्रति शेयर के हिसाब से खरीदेगी। इसके अलावा आरएनईएसएल को 1 यूरो के हिसाब से 36,201 वारंट भी जारी किए जाएंगे। नेक्सवेफ सेमीकंडक्टर्स में इस्तेमाल होने वाले मोनोक्रिस्टलाइन सिलिकॉन वेफर्स बनाती है। सेमिकंडक्टर सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लगाए जाते हैं। रिलायंस की शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, नेक्सवेफ जिस मोनोक्रिस्टलाइन सिलिकॉन वेफर्स का विकास और उत्पादन कर रहा है, उसमें इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल बेहद किफायती है और उनकी तकनीक ने उत्पादन के कई महंगे चरणों को समाप्त कर दिया है। महत्वपूर्ण यह है कि रिलायंस की पहुंच अब सेमिकंडक्टर तकनीक तक हो जाएगी। सौदे पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष

मुकेश अंबानी ने क्या कहा

मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस में हम हमेशा प्रौद्योगिकियों में आगे रहने में विश्वास करते हैं। नेक्सवेफ के साथ हमारी साझेदारी एक बार फिर इस बात की गवाही देती है कि हम भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती ग्रीन एनर्जी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वाकांक्षी मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

नेक्सवेफ में हमारा निवेश, भारत को फोटोवोल्टिक निर्माण में वैश्विक लीडर के तौर पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि नेक्सवेफ का अभिनव अल्ट्रा-थिन वेफर, सोलर पैनल निर्माताओं और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाएगा। रिलायंस के लिए सौर और अन्य प्रकार की नवीकरणीय ऊर्जाओं में हमारा दखल एक व्यावसायिक अवसर से कहीं अधिक बड़ा है। यह पृथ्वी को बचाने और इसे जलवायु संकट से निकालने के वैश्विक मिशन में हमारा योगदान है।

स्टिस्डल एक डेनिश कंपनी

एक अलग घोषणा में आरएनईएसएल ने हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर्स के विकास और निर्माण के लिए स्टिस्डल के साथ साझेदारी की है। इस समझौते पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फेडरिकसेन की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। बता दें कि स्टिस्डल एक डेनिश कंपनी है, जो जलवायु परिवर्तन के मामले में प्रौद्योगिकियों का विकास करती है। अंबानी ने गुजरात के जामनगर में हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर्स के निर्माण के लिए एक गीगा फैक्ट्री स्थापित करने की घोषणा की थी। इस समझौते के तहत आरएनईएसएल और स्टिस्डल अपनी तकनीकी क्षमताओं को मिलाकर हाइड्रोजेन इलेक्ट्रोलाइजर्स की प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाएंगे।

तेजी से पटरी पर लौट रही इंडियन इकोनॉमी! अगस्त 2021 में 11.9फीसदी बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बाद अब देश की अर्थव्यवस्था (इंडियन इकोनॉमी) के पटरी पर लौटने के मजबूत संकेत मिल रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश के औद्योगिक उत्पादन (आई.आई.पी.) में अगस्त 2021 के दौरान 11.9 फीसदी की बढ़ौतरी दर्ज की गई है। वहीं कोयला, कच्चा तेल और इस्पात समेत 8 बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों के उत्पादन में इस दौरान सालाना आधार पर 11.6 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले साल अगस्त महीने में बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों के उत्पादन में 6.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

खनन क्षेत्र का 23.6 प्रतिशत तो बिजली क्षेत्र का उत्पादन 16 प्रतिशत बढ़ा

एन.एस.ओ. के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2021 में मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर के उत्पादन की वृद्धि दर 9.7 फीसदी रही है। वहीं, खनन क्षेत्र का उत्पादन 23.6 प्रतिशत और बिजली क्षेत्र का 16 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त 2020 में औद्योगिक उत्पादन 7.1 फीसदी घटा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने यानी अप्रैल-अगस्त 2021 के दौरान आई.आई.पी. में 28.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में आई.आई.पी. में 25 फीसदी की बड़ी गिरावट आई थी। कोरोना वायरस महामारी की वजह से पिछले साल मार्च से औद्योगिक उत्पादन प्रभावित हुआ। उस समय इसमें 18.7 फीसदी की गिरावट आई थी। अप्रैल 2020 में लॉकडाऊन की वजह से औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होने से उत्पादन 57.3 फीसदी घटा था।

किस-किस सैक्टर का उत्पादन बढ़ा, किसके उत्पादन में कमी

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आई.आई.पी.) में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमैंट और बिजली का 40.27 फीसदी हिस्सा है। बता दें कि अगस्त 2021 में लगातार तीसरे महीने बुनियादी क्षेत्र उद्योगों में बढ़ौतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात, सीमैंट और बिजली का उत्पादन अगस्त 2021 में सालाना आधार पर बढ़ा है। दूसरी तरफ कच्चा तेल और उर्वरक उद्योगों के उत्पादन में गिरावट आई है।

रोजगार के मामले में भी मिल रहे हैं अच्छे संकेत

औद्योगिक उत्पादन में बढ़ौतरी के चलते रोजगार के मोर्चे पर भी अच्छे संकेत मिल रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर के बाद औद्योगिक गतिविधियों में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के आर्थिक सलाहकार कार्यालय ने अगस्त 2021 के लिए 8 कोर उद्योगों का सूचकांक जारी किया है। आठ कोर इंडस्ट्रीज का संयुक्त सूचकांक जुलाई 2021 में 134 पर था। इसमें जुलाई 2020 के मुकाबले 9.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। साफ है कि अगर अगस्त 2021 में औद्योगिक उत्पादन में बढ़ौतरी हुई तो आर्थिक गतिविधियों में भी उछाल आया है। इससे एक बार फिर लोगों को रोजगार के मौके मिल रहे हैं।

खुदरा महंगाई घटकर 4.35 प्रतिशत पर आई

उधर खाद्य वस्तुओं के दाम कम होने से खुदरा महंगाई सितंबर महीने में घटकर 4.35 प्रतिशत पर आ गई। आज जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में 5.30 प्रतिशत तथा सितंबर, 2020 में 7.27 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) के आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर इस साल सितंबर में नरम होकर 0.68 प्रतिशत रही। यह पिछले महीने 3.11 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम है। भारतीय रिजर्व बैंक द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पर विचार करते समय मुख्य रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर पर गौर करता है।

सरकार ने केंद्रीय बैंक को 2 प्रतिशत घट-बढ़ के साथ खुदरा महंगाई को 4 प्रतिशत पर बरकरार रखने की जिम्मेदारी दी हुई है।

टाटा मोटर्स यात्री इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए TPG राइज क्लाइमेट से एक अरब डॉलर जुटाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी):

घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स लि. (टीएमएल) ने मंगलवार को कहा कि वह यात्री इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए टीपीजी राइज क्लाइमेट से एक अरब डॉलर (7,500 करोड़ रुपए) जुटाएगी। यह राशि कारोबार के 9.1 अरब डॉलर तक के मूल्यांकन के आधार पर जुटायी जाएगी। कोष का उपयोग कंपनी की नई अनुषंगी इकाई 'टीएमएल ईवी कंपनी' इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को बढ़ाने के लिए अगले पांच साल में दो अरब डॉलर से अधिक के निवेश के वित्तपोषण में करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स लि. और टीपीजी राइज क्लाइमेट ने बाध्यकारी समझौता किया है। इसके तहत टीपीजी राइज क्लाइमेट अपने सह-निवेशक एडीक्यू के साथ टाटा मोटर्स की अनुषंगी इकाई में निवेश करेगी। इस अनुषंगी इकाई का गठन हाल में हुआ है। टीपीजी राइज क्लाइमेट निजी निवेश कंपनी टीपीजी के जलवायु क्षेत्र से जुड़ी इकाइयों में निवेश के लिए बनाई गई इकाई है। बयान के अनुसार टीपीजी राइज क्लामेट अपने सह-निवेशक के साथ 11 से 15 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए अनिवार्य परिवर्तनीय निवेश उत्पाद में 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके आधार पर कंपनी का इक्विटी मूल्यांकन 9.1 अरब डॉलर का आंका गया है। एडीक्यू अबू धाबी सरकार की रणनीतिक भागीदारी है और क्षेत्र की सबसे बड़ी होल्डिंग कंपनियों में से एक है। इसका प्रत्यक्ष और परोक्ष से 90 से अधिक स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में निवेश है। टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, ''मुझे खुशी है कि टीपीजी राइज क्लाइमेट भारत में इलेक्ट्रिक यात्री वाहन कारोबार में शामिल हुई है...।' उन्होंने कहा कि कंपनी ''2030 तक 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के लक्ष्य के सरकार के दृष्टिकोण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।'

राकेश झुनझुनवाला ने इस सरकारी कंपनी पर लगाया दांव, 25 लाख शेयर खरीदे

(एजेंसी):

स्टॉक मार्केट के माहिर इनवेस्टर्स कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला ने सितंबर तिमाही के दौरान **PSU** नेशनल एल्युमीनियम कंपनी **(Nalco)** में लगभग 25 लाख शेयर्स खरीदे हैं। यह इस कंपनी में लगभग 1.36 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। **Nalco** में सरकार की हिस्सेदारी 51.5 प्रतिशत की है। माइनिंग, मेटल और पावर बिजनेस से जुड़ी **Nalco** में सितंबर तिमाही के अंत में फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स **(FPI)** के पास 15.22 प्रतिशत स्टेक था। झुनझुनवाला को हाल ही में केंद्र सरकार से नई एयरलाइन शुरू करने के लिए क्लीयरेंस मिली है। **Nalco** का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 18,000 करोड़ रुपए है। इस वर्ष की शुरुआत से कंपनी के स्टॉक्स में 130 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। जून तिमाही में **Nalco** का नेट प्रॉफिट वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 1,940 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 347.73 करोड़ रुपए का था। महामारी के कारण बिजनेस पर असर होने के बावजूद कंपनी ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में 8,869.29 करोड़ रुपए का नेट टर्नओवर और 1,299.56 करोड़ रुपए का प्रॉफिट दर्ज किया था। झुनझुनवाला अपने साथ ही अपनी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के नाम पर इनवेस्टमेंट करते हैं। उनके पास एसेट फर्म रेयर एंटरप्राइसेज भी है। झुनझुनवाला और उनके परिवार की सितंबर के अंत में नेटवर्थ लगभग 22,300 करोड़ रुपए की थी। पिछले एक वर्ष में उनकी वेल्यू लगभग 52 प्रतिशत बढ़ी है।

इस्पात फर्मों को कोयले का झटका

मुंबई (एजेंसी):

लौह एवं गैर-लौह धातुओं के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले कोकिंग कोल एवं तापीय कोयले की कीमतों में हो रही लगातार वृद्धि का असर वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर की अवधि में धातु कंपनियों के मार्जिन पर दिख सकता है। ब्रोकरेज फर्मों का कहना है कि इस्पात कंपनियों के मार्जिन को इसका तगड़ा झटका लग सकता है जबकि बेस फर्मों को फायदा होने के आसार हैं। चूंकि धातु एक चक्रीय क्षेत्र है और ऐसे में सालाना आधार पर आय की तुलना करने से तस्वीर कहीं अधिक स्पष्ट होगी। हालांकि मौजूदा कोविड-19 वैश्विक महामारी और पिछले साल के कमजोर आधार के कारण मूल्य निर्धारण एवं मात्रात्मक बिक्री के रुझानों पर गौर करने के लिए क्रमिक आधार पर तुलना को भी ध्यान में रखा गया है। कोकिंग कोल इस्पात बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक प्रमुख कच्चा माल है। इसकी कीमतों में क्रमिक आधार पर 25 से 30 डॉलर प्रति टन की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा अन्य कच्चे माल के दाम भी बढ़े हैं।

ब्रोकरेज फर्मों का कहना है कि इस्पात कंपनियों के मार्जिन पर अलग-अलग प्रभाव दिख सकता है जो कोयले की खपत के उनके पैटर्न (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय) और कैप्टिव संसाधनों के हिस्से पर आधारित होगा। जहां तक इस्पात बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा स्टील का सवाल है तो उसके घरेलू कारोबार पर कोकिंग कोल की लागत में वृद्धि का आंशिक प्रभाव दिखेगा। यहां तक कि एडलवाइस की रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू प्राप्तियों में 2,000 रुपए प्रति टन वृद्धि होने की संभावना है। कंपनी के पास 25 से 30 फीसदी तक कोकिंग कोल का कैप्टिव स्रोत है जिससे उसकी प्राप्तियों को सहारा मिलता है। जहां तक नवीन जिंदल के नेतृत्व वाली कंपनी जिंदल स्टील ऐंड पावर (जेएसपीएल) का सवाल है तो मात्रात्मक बिक्री में तेजी के बावजूद दूसरी तिमाही के दौरान उसके एबिटा को कोकिंग कोल और लौह अयस्क की कीमतों में तेजी का झटका लग सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्राप्तियों के मोर्चे पर स्टील लॉन्ग में क्रमिक आधार पर 2,000 रुपये की कमी आई है जिससे एबिटा को रफ्तार मिलेगी। दूसरी तिमाही के दौरान जेएसपीएल के इस्पात की मात्रात्मक बिक्री क्रमिक आधार पर 32 फीसदी और सालाना आधार पर 10 फीसदी की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 21.3 लाख टन तक पहुंच गई।

टमाटर ने दिखाए तेवर, 70 रुपए के पार पहुंची कीमतें

(एजेंसी):

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बेमौसम बारिश की वजह से आपूर्ति घटने के कारण मेट्रो शहरों के खुदरा बाजारों में टमाटर की कीमतें 72 रुपए प्रति किलोग्राम की ऊंचाई तक पहुंच गई हैं। महानगरों में, टमाटर के खुदरा मूल्य में सबसे अधिक वृद्धि कोलकाता में देखी गई, जहां इस प्रमुख सब्जी की कीमत 12 अक्टूबर को 72 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जबकि एक महीने पहले यह कीमत 38 रुपए प्रति किलोग्राम थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली और चेन्नई में, टमाटर की खुदरा कीमतें एक महीने पहले की तुलना में क्रमशः 30 रुपए और 20 रुपए प्रति किग्रा से बढ़कर 57 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। आंकड़ों से पता चलता है कि मुंबई में, खुदरा बाजारों में टमाटर की कीमत पहले के 15 रुपए किलो से बढ़कर 53 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। टमाटर की खुदरा कीमतें गुणवत्ता और बिक्री वाले इलाके के आधार पर भिन्न होती हैं। आजादपुर टमाटर संघ के अध्यक्ष अशोक कौशिक ने बताया, ''मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे उत्पादक राज्यों में बेमौसम बारिश ने फसल को नुकसान पहुंचाया है, जिससे दिल्ली जैसे उपभोक्ता बाजारों में आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे थोक और खुदरा दोनों बाजारों में कीमतों में वृद्धि हुई है।'' राष्ट्रीय राजधानी में स्थित आजादपुर मंडी फलों और सब्जियों के लिए एशिया का सबसे बड़ा थोक बाजार है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि शिमला जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में भी बेमौसम बारिश के कारण फसल प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश वाले उत्पादक राज्यों में टमाटर की 60 प्रतिशत फसल बर्बाद हो गई है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, एक महीने में टमाटर की कीमतें आजादपुर मंडी में लगभग दोगुनी होकर 40-60 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं, क्योंकि इस सब्जी की दैनिक आवक 250-300 टन रह गई है। मौजूदा समय में, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के प्रमुख उत्पादक राज्यों में कटाई चल रही है। टमाटर की फसल बोने के लगभग दो-तीन महीने में कटाई के लिए तैयार हो जाती है और बाजार की आवश्यकता के अनुसार कटाई की जाती है। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत, 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 1.975 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है।

टी-20 विश्व कप में नई जर्सी के साथ उतरेगी टीम इंडिया, ऐसे दिखेंगे भारत के धुरंधर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के खत्म होने के साथ ही टी-20 विश्व कप का आगाज हो जाएगा। आईसीसी के सबसे छोटे प्रारूप के वर्ल्ड कप की शुरुआत 17 अक्टूबर से हो रही है। भारतीय टीम का अभियान 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होगा। इसके लिए भारतीय टीम का नया जर्सी भी सामने आ गया है। नई जर्सी का रंग नीला है। हालांकि इसकी डिजाइन में थोड़े बहुत बदलाव जरूर नजर आ रहे हैं।

बीसीसीआई ने ट्वीट कर नई जर्सी का खुलासा किया है। अपने ट्वीट में बीसीसीआई ने टीम इंडिया के धुरंधरों की तस्वीर भी शेयर की है जो नई जर्सी को पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान रोहित शर्मा के अलावा रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल शामिल हैम। बीसीसीआई ने अपने ट्वीट के साथ लिखा- पेश है Billion Cheers Jersey! जर्सी का पैटर्न प्रशंसकों के अरबों चीयर्स से प्रेरित है।

आपको बता दें कि जब टी-20 विश्व कप की शुरुआत हुई थी तो 2007 में पहली बार भारत इसका चैंपियन बना था। हालांकि उसके बाद से भारत टी-20 विश्व कप का चैंपियन नहीं बन सका है। ऐसे में कप्तान कोहली एक बार फिर से भारतीय टीम को ट्रॉफी दिलाने की कोशिश करेंगे। इस विश्व कप में टी-20 में कप्तान के तौर पर कोहली आखरी बार उतरेंगे। भारतीय समय अनुसार

भारत के मुकाबले शाम 7:30 बजे शुरू होंगी। भारत का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ है। तीसरा मुकाबला 3 नवंबर को अफगनिस्तान के खिलाफ, 5 नवंबर को बी1 और 8 नवंबर को ए2 के साथ होगा।

कश्मीर का राग अलापने वाले इमरान ने अब बीसीसीआई पर साधा निशाना, कहा- विश्व क्रिकेट पर भारत का दबदबा

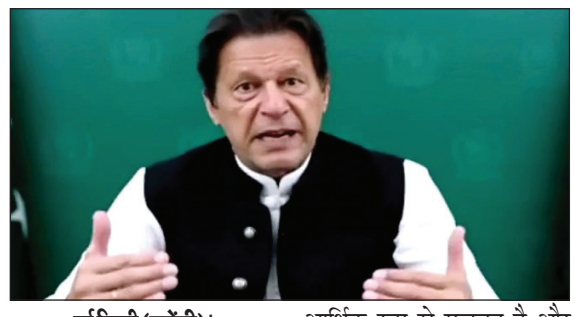

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का इस समय क्रिकेट काफी रोचक विषय बना हुआ है। हमेशा कश्मीर का राग अलापने वाले इमरान खान ने अब क्रिकेट को लेकर बड़ा बयान दिया है। आपको यह तो पता ही होगा कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड क्रिकेट टीमों ने अपना पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था जिसको लेकर पाक पीएम इमरान खान काफी निराश हुए लेकिन उन्होंने एक बड़ा बयान जारी कर कहा कि, पैसा इस समय सबसे बड़ा खिलाड़ी है। इमरान के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है और वे क्रिकेट की दुनिया को नियंत्रित करते हैं। पाकिस्तानी मीडिया को संबोधित करते हुए इमरान ने आगे कहा कि, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड भारत के साथ ऐसा करने की हिम्मत कभी नहीं करता। उन्होंने कहा , इंग्लैंड जानता है कि बीसीसीआई आर्थिक रूप से मजबूत है और पैसा अब सबसे बड़ा खिलाड़ी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड सबसे अमीर है। वे अब क्रिकेट की दुनिया को नियंत्रित कर रहे हैं।

आपको बता दें कि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने भी यह मुद्दा उठाया था। इमरान ने अपनी नाराजगी जताते हुए आगे कहा कि, इंग्लैंड दौरा बिल्कुल भी रद्द नहीं किया। उन्होंने कहा कि, उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि पाकिस्तान ने 2019 में कोविड सुपीरियर के दौरान इंग्लैंड का दौरा भी किया था। अगर आज उनके साथ ऐसा कुछ हो जाए तो कैसा लगेगा? क्या यह बेहतर होता? 1992 विश्व कप जीतने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान न्यूजीलैंड का दौरा रद्द होने से भी नाराज हैं। उन्होंने कहा कि, पाकिस्तान में मेहमान टीम की सुरक्षा को लेकर हमें काफी चिंता करने की जरूरत है। अगर कुछ होता है, तो हम दोषी होंगे।

टी20 विश्व कप में बड़ा बदलाव, अक्षर पटेल की जगह इस खिलाड़ी की हुई टीम में एंट्री

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में बुधवार को अक्षर पटेल की जगह तेज गेंदबाज आल राउंडर शारदुल ठाकुर को शामिल किया गया। ठाकुर (29 वर्ष) ने यूएई में खेली जा रही इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये 18 विकेट चटकाकर प्रभावित किया है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा, ''अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद शारदुल ठाकुर को मुख्य टीम में शामिल किया है। हरफनमौला अक्षर पटेल 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे लेकिन अब वह 'स्टैंड-बाय' खिलाड़ियों की सूची में जुड़ जायेंगे। '' मुंबई इंडियंस के लिये खेलने वाले तेज गेंदबाज आल राउंडर हार्दिक पंड्या फिटनेस मुद्दों के कारण आइपीएल के दौरान गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो चयनकर्ता उनके लिये एक कवर चाहते थे। चयन समिति के करीबी एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''चयनकर्ताओं को महसूस हुआ कि उनके पास एक तेज गेंदबाज की कमी थी और फिर हार्दिक पंड्या भी गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो उन्हें मुख्य टीम में एक आल राउंडर की जरूरत थी। '' सूत्र ने कहा, ''अक्षर 'स्टैंड-बाय' के तौर पर बने रहेंगे और अगर रविंद्र जडेजा चोटिल हो जाते हैं तो वह फिर से मुख्य टीम में शामिल हो जायेंगे। जब तक जडेजा खेलते हैं तो अक्षर की जरूरत नहीं होगी। '' चयनकर्ताओं ने हर्षल पटेल को भी भारतीय टीम के नेट गेंदबाजों में शामिल किया है। बयान के अनुसार, ''ये क्रिकेटर दुबई में टीम के 'बायो-बबल' से जुड़ेंगे और तैयारियों में 'टीम इंडिया' की मदद करेंगे : आवेश खान, उमरान मलिक, हर्षल पटेल, लुकमान मेरीवाला, वेंकटेश अय्यर, कर्ण शर्मा, शाहबाज अहमद और के गौतम। '' भारतीय टीम 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम इस प्रकार है : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप कप्तान), केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, राहुल चाहर, रविचंद्रन अश्विन, शारदुल ठाकुर, वरूण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी। स्टैंड-बाय खिलाड़ी : श्रेयस अय्यर, दीपक चाहर और अक्षर पटेल।

आईपीएल 2022: अगले आईपीएल में 2 नहीं, चाहिए 5 नए कप्तान, जानिए क्या होंगे बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 का सीजन अब खत्म होने को है. आईपीएल 2021 का सीजन भी अपने समय यानी अप्रैल और मई में चल रहा था. लेकिन उस वक्त भारत में कोरोना वायरस काफी तेजी से चल रहा था, इसलिए कोरोना वायरस टीम इंडिया में भी घुस गया और कुछ खिलाड़ियों के साथ ही स्टॉफ मैंबर में भी इससे संक्रमित हो गए थे. इसके बाद से टाल दिया गया था. कुछ ही दिन बाद बीसीसीआई ने तय किया कि अब भारत में आईपीएल का ये सीजन नहीं होगा और इसे यूएई के लिए ट्रांसफर कर दिया गया. आईपीएल 2020 का सीजन भी यूएई में ही खेला गया था.

कोरोना वायरस के बीच भी यूएई में दोनों सीजन सफलतापूर्वक हुए और कोई दिक्कत नहीं हुई. अब जिस तरह से भारत में कोरोना के केस कुछ कम हुए हैं, उसके बाद माना जा रहा है कि आईपीएल 2022 भारत में ही अपने समय पर होगा, जिसमें अब मात्र छह महीने का ही वक्त रह गया है. आईपीएल 2022 में दो नई टीमें भी होंगी. लेकिन अगले आईपीएल में लगभग सभी टीमें बदली हुई नजर आएंगी और हां, अगर आप सोचते हैं कि आईपीएल 2022 में दो नई टीमों के लिए नए कप्तान नजर आने वाले हैं तो ऐसा नहीं है. आईपीएल 2022 में कम से कम पांच नए कप्तान नजर आने वाले हैं.

आईपीएल 2022 में दो नई टीमें होंगी, उनको तो पूरी टीम ही बनानी है और उन्हें इसके लिए कप्तान भी खोजना है. इनके अलावा भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वे आईपीएल 2021 के बाद आरसीबी कप्तानी नहीं करेंगे. एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम का इस साल का भी सफर खत्म हो गया है. माना जा रहा है कि विराट कोहली जब तक भी आईपीएल खेलेंगे वे आरसीबी के लिए ही खेलेंगे. इस बीच टीम का नया कप्तान कौन होगा ये भी बड़ा सवाल है. विराट कोहली की जगह लेने के लिए हो सकता है कि केएल राहुल तैयार हों. क्योंकि केएल राहुल दो साल से पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं. खुद केएल राहुल को अच्छा खेल रहे हैं और रन भी बना रहे हैं, लेकिन टीम उस तरह का प्रदर्शन नहीं कर पा रही है, जिसकी उम्मीद उनसे की जा रही है. आईपीएल 2020 और आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ्स के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई और नीचे की चार टीमों में शामिल रही. क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो हो सकता है कि केएल राहुल आईपीएल 2022 में टीम के कप्तान न रहें और उन्हें टीम रिलीज भी कर सकती है. अगर ऐसा हुआ तो केएल राहुल आरसीबी की ओर वापसी कर सकते हैं. राहुल को एक अच्छी टीम की जरूरत होगी, वहीं आरसीबी को एक अच्छे कप्तान की. खास बात ये भी है कि केएल राहुल पहले भी आरसीबी के लिए लंबे अर्से से खेलते रहे हैं, वहीं लोकेश राहुल रहने वाले भी कर्नाटक के ही हैं, जहां की ये टीम है. अगर ऐसा होता है तो कोई ताज्जुब की बात नहीं होनी चाहिए.

अगर पंजाब किंग्स की टीम राहुल को टीम से रिलीज कर देगी तो उन्हें भी एक नए कप्तान की जरूरत होगी. पंजाब किंग्स में जो अभी खिलाड़ी खेल रहे हैं, उनमें से कोई भी खिलाड़ी कप्तान बनने लायक तो नजर नहीं आता. आईपीएल 2021 के पहले फेज में जब केएल राहुल ने कुछ मैच मिस किए थे, तब मयंक अग्रवाल कप्तान बने थे, लेकिन वे कामचलाऊ कप्तान थे. लेकिन अगर उन्हें पूरी तरह से पूरे सीजन के लिए कप्तान बनाया जाता है तो वे चल भी सकते हैं और नहीं भी, यानी यह एक रिस्क होगा. जो भी लेकिन उन्हें कप्तान को नया चुनना ही पड़ेगा. यानी दो नई टीमों के कप्तान और दो पुरानी टीमों के कप्तान बदलते हुए नजर आ सकते हैं.

मुझे लगता है कि हम आईपीएल जीत सकते हैं : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि उनकी टीम आईपीएल 2021 की ट्रॉफी जीत सकती है। उन्होंने साथ ही कहा कि ट्रॉफी जीतना ही कारण है जिसके लिए वह और उनके खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर थी और उसे आज फाइनल में पहुंचने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबला खेलना है। पोंटिंग ने फ्रेंचाइजी के जरिए ट्वीट किए गए वीडियो में कहा, मैं दिल्ली के साथ तीन साल से हूं। पहले साल जब मैं यहां आया तो हम आखिरी स्थान पर रहे। दो साल पहले तीसरे स्थान पर रहे और पिछली बार हम उपविजेता बने। मुझे लगता है कि हम आईपीएल जीत सकते हैं और इसके लिए

मैं और खिलाड़ी यहां आए हैं। उन्होंने कहा, कई साल पहले जो दिल्ली थी उससे अलग आज की टीम है। इसका कारण फ्रेंचाइजी ने जो खिलाड़ी लिए हैं वो है। हम उन चार शब्दों का पालन करते हैं जो मैंने कहा, रवैया, प्रयास, प्रतिबद्धता और देखभाल। हम बेहतर करेंगे। पोंटिंग ने कहा, मैं यहां खिताब जीतने के लिए हूं। हम काफी करीब हैं, यह अच्छा सीजन रहा है। बेहतर सीजन नहीं रहे हैं क्योंकि हमने खिताब नहीं जीता है। मुझे कुछ प्रयास और रवैया दिखाएं और प्रतिबद्धता दर्शाएं।

टेनिस : सितसिपास ने इंडियंस वेल्स में फोगिनी को हराया

इंडियन वेल्स। ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने इटली के फैबियो फोगनिनी को यहां चल रहे बीएनपी परिबास ओपन के तीसरे राउंड में हराया।विश्व के नंबर-3 सितसिपास ने फोगनिनी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 6-4 से हराया। सितसिपास ने इसके साथ ही इटली के इस खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी हेड टू हेड रिकॉर्ड को 3-0 किया। उन्होंने फोगनिनी के खिलाफ मुकाबले में 21 विनर्स लगाए और 28 बेजां भूलें की जबकि फोगनिनी ने 32 विनर्स लगाए लेकिन 32 बेजां भूलें की। सितसिपास ने कहा, अच्छी वापसी की। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता क्या हुआ। मैं बस मैच में वापसी करना चाहता था और यह किसी तरह हुआ। उन्होंने कहा, सेट में पिछड़ने के बाद मैं बस अंक लेना चाहता था और इसने अच्छे से काम किया। अच्छी मानसिकता और संयम ने मदद की। मैं ऐसे पलों में समाधान खोजता हूं। सितसिपास का राउंड-16 में मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर से मुकाबला होगा।

फुटबॉल : जापान ने विश्व कप क्वालीफायर में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

टोक्यो। जापान ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर एशियन विश्व कप क्वालीफाईंग के फाइनल राउंड में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही जापान के ग्रुप बी में दो जीत और दो हार के साथ छह अंक हो गए हैं। इससे पहले, जापान की ओर से आओ तनाका ने आठवें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। जापान ने फिर इस बढ़त को पहले हॉफ तक बरकरार रखा और ऑस्ट्रेलिया को गोल करने से रोके रखा।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की ओर से एजडिन ह्रुस्टिक ने 70वें मिनट में गोल कर बराबरी हासिल की। लेकिन जापान की तरफ से 86वें मिनट में एजीज बेहइच ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। निर्धारित समय तक अन्य कोई गोल नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त झेलनी पड़ी। हर ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें अगले साल कतर में होंने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगे।

विलियम्सन की चोट पर बोले कोच, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले फिट होंगे

दुबई। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कप्तान केन विलियम्सन की फिटनेस को लेकर कहा कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर-12 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले फिट हो जाएंगे। विलियम्सन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के अंतिम मुकाबले से बाहर रहे थे और स्टीड ने खुलासा करते हुए कि विलियम्सन को हैम्सट्रिंग चोट आई है। स्टीड ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, विलियम्सन ठीक हैं। उन्हें हल्की सी हैम्सट्रिंग चोट लगी है लेकिन वह इससे उबर रहे हैं। हैदराबाद की टीम भी आईपीएल से बाहर हो गई है। विलियम्सन आईपीएल के बाद छह दिनों तक होटल में क्वारंटीन रहने के बाद दुबई में न्यूजीलैंड कैंप पहुंचे। उनके अलावा जेम्स नीशम, एडम मिलने और शेन बॉन्ड भी टीम से जुड़े हैं। पूर्व तेज गेंदबाज बॉन्ड टीम के साथ चौथे कोच के रूप में जुड़े हैं। स्टीड ने कहा, हमने आज गर्म दिन में ट्रेनिंग की है। हमने दो बजे शुरू किया और उस वक्त तापमान 35 और 38 डिग्री था। आपको ऐसा महसूस होगा जैसे आप जल रहे हो।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जोरदार हैट्रिक, डेनमार्क ने विश्व कप में बनाई जगह

पेरिस। (एजेंसी)।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और हैट्रिक जमाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर्स में आसान जीत दिलायी जबकि डेनमार्क ने एक और जीत से कतर में अगले साल होने वाले टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। यूरोपीय क्वालीफायर्स के मैचों में इंग्लैंड और हंगरी के बीच खेले गये मैच में दर्शकों ने व्यवधान डाला, लेकिन फैरो में खेले गये मैच में रोनाल्डो की चली जिन्होंने क्लब और अपने देश की तरफ से करियर की कुल 58वीं हैट्रिक जमायी। इससे रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या का रिकार्ड 115 पर पहुंच गया है।

पुर्तगाल ने उनके करिश्माई प्रदर्शन से इस मैच में लक्समबर्ग को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अपना 182वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे रोनाल्डो की यह पुर्तगाल की तरफ से 10वीं हैट्रिक है। रोनाल्डो ने आठवें और 13वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किये और 87वें मिनट में हैट्रिक पूरी की। पुर्तगाल की तरफ से अन्य दो गोल ब्रूनो फर्नांडिस और जोओ पालिन्हा ने किये। इस जीत के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप ए में सर्बिया से अंक पीछे है लेकिन उसने एक मैच कम खेला है। सर्बिया ने एक अन्य मैच में अजरबेजान को 3-1 से हराया। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करेगी जबकि दूसरे स्थान की टीम प्लेऑफ में खेलेगी। इस बीच डेनमार्क यूरोपीय देशों में विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने वाला दूसरा देश बन गया है। उसने कोपेनहेगेन में खेले गये मैच में जोकिम मेहले के दूसरे हाफ में किये गये गोल की मदद से आस्ट्रिया को 1-0 से हराया। डेनमार्क की यह लगातार आठवीं जीत है जिससे उसने ग्रुप एफ में अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। जर्मनी यूरोप से क्वालीफाई करने वाला पहला देश था।

डेनमार्क ने दूसरे नंबर की टीम स्कॉटलैंड पर सात अंक की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। स्कॉटलैंड ने फैरो आइलैंड पर 1-0 से जीत दर्ज की और दूसरे स्थान पर रहने का अपना दावा मजबूत किया। वह तीसरे स्थान की टीम इजराइल से चार अंक आगे है जिसने मोलदोवा को 2-1 से हराया। इंग्लैंड के पास भी क्वालीफाई करने का मौका था लेकिन वेम्ब्ले स्टेडियम में खेले गये मैच में हंगरी ने उसे 1-1 से ड्रा पर रोक दिया। इस मैच के शुरू में पुलिसकर्मियों और हंगरी के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी थी। हंगरी के प्रशंसक नस्लीय टिप्पणियां कर रहे थे। इंग्लैंड ग्रुप आई में शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान की टीम पोलैंड से तीन

अंक आगे है। पोलैंड ने एक अन्य मैच में अल्बानिया को 1-0 से पराजित किया। स्वीडन ग्रुप बी में यूनान पर 2-0 की जीत से स्पेन से आगे शीर्ष पर पहुंच गया है जबकि ग्रुप सी में स्विट्जरलैंड ने लिथुवानिया पर 4-0 की जीत से अपने अंकों की संख्या इटली के बराबर पहुंचा दी है। इटली गोल अंतर में हालांकि आगे है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद् धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ़ु रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेश्यिर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ़ु पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अत- सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रूस में बरपा कोरोना का जोरदार कहर! एक दिन में सर्वाधिक लोगों की मौत

मॉस्को। कोविड-19 के तेजी से बढ़ते मामलों एवं कम टीकाकरण दर से जूझ रहे रूस में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मंगलवार को रिकॉर्ड दैनिक मृतक संख्या दर्ज की गई, लेकिन प्राधिकारी इस बात पर अड़े हुए हैं कि देश में फिर से लॉकडाउन लागू नहीं किया जाएगा। कोरोना वायरस संबंधी सरकार के कार्यबल के अनुसार रूस में इस संक्रमण से मंगलवार को 973 लोगों की मौत हुई। यह महामारी की शुरुआत से अब तक की सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। रूस में संक्रमण के कारण दैनिक मृतक संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही देश में मंगलवार को संक्रमण के 28,190 नए मामले सामने आए। मृतक संख्या बढ़ने के बावजूद क्रेमलिन ने देश में लॉकडाउन लागू किए जाने की संभावना से इनकार कर दिया है और कोरोना वायरस संक्रमण को काबू करने के लिए प्रतिबंध लगाने के संबंध में फैसला क्षेत्रीय प्राधिकारियों पर सौंप दिया है।

संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण रूस की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है। देश के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में कहा कि रूस के अस्पतालों में भर्ती कोविड-19 के 2,35,000 मरीजों में से 11 प्रतिशत मरीजों की हालत गंभीर या नाजुक है। रूस में कोरोना वायरस कार्यबल ने देश में संक्रमण के 78 लाख मामलों की पुष्टि की है, जिनमें से 2,18,345 लोगों की मौत हो गई है। यह यूरोप में सर्वाधिक मृतक संख्या है। रूसी सरकार का कहना है कि देश में पिछले महीने से संक्रमण के मामलों में तेजी आने का कारण टीकाकरण दर कम होना है। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि रूस की कुल 14 करोड़ 60 लाख की आबादी के करीब 33 प्रतिशत लोगों यानी मात्र चार करोड़ 78 लाख लोगों ने कम से कम एक टीका लगवाया है, जबकि करीब 29 प्रतिशत लोगों यानी चार करोड़ 24 लाख लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नव-निर्वाचित रूसी सांसदों के साथ मंगलवार को एक बैठक में व्यापक टीकाकरण के महत्व पर जोर दिया और सांसदों से लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करने का आग्रह किया।

कतर के राजनयिक ने तालिबान के साथ वैश्विक समुदाय के सहयोग पर जोर दिया

दुबई। विभिन्न देशों से अफगानिस्तान की नयी सरकार के साथ सहयोग करने का आह्वान करते हुए इस विषय पर कतर के वार्ताकार ने मंगलवार को चेतावनी दी कि उसे अलग-थलग करने का दूरगामी सुरक्षा खतरा पैदा हो सकता है जैसा कि अलकायदा ने 9/11 के हमले की साजिश रचने के लिए इस देश को अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया। आतंकवाद निरोधक एवं संघर्ष समाधान पर मध्यस्थता पर कतर के विशेष दूत मुतलाक बिन माजिद अल-कहतानी ने कहा कि उन्होंने तालिबान के साथ समाज में महिलाओं की भूमिका, लड़कियों के लिए शिक्षा की सुलभता और समावेशी सरकार की अहमियत जैसे ज्वलंत मुद्दों पर तालिबान के साथ बातचीत की। अफगानिस्तान पर कतर की नीतियों एवं अंतर्दृष्टि पर दुनिया की पैनी नजर है क्योंकि गैस समृद्ध इस छोटे से देश ने अमेरिका की वापसी के बाद युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान में अपनी हैसियत से भी बड़ी भूमिका निभायी है। अल-कहतानी ने द साऊफान सेंटर द्वारा दोहा में आयोजित वैश्विक सुरक्षा मंच में एक भाषण में कहा, '' हम तालिबान से क्या कह रहे हैं, जोकि एककार्यवाहक सरकार या वास्तव में काबुल में प्राधिकारी है, (वह यह है कि) भेदभाव एवं बहिष्कार ..... यह अच्छी नीति नहीं हैं।'' वर्तमान अफगान सरकार, जिसे तालिबान बस अंतरिम कहता है, में बस ऐसी तालिबान हस्तियां हैं जिनपर संयुक्त राष्ट्र ने पाबंदियां लगा रखी हैं। काबुल पर 15 अगस्त को तालिबान के काबिज हो जाने के बाद वहां से 100,000 से अधिक लोगों को अमेरिका द्वारा निकाले जाने में कतर की अहम भूमिका रही थी।

काबुल में सत्ता परिवर्तन न तो बातचीत से हुआ, न ही समावेशी है: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि काबुल में सत्ता में बदलाव न तो बातचीत के जरिए हुआ और न ही समावेशी है। भारत ने यह भी रेखांकित किया कि उसने लगातार व्यापक आधार वाली, समावेशी प्रक्रिया का आह्वान किया है, जिसमें अफगानिस्तान के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। भारत ने अफ्रीका में आतंकवाद के बढ़ते प्रसार पर भी गहन चिंता जाहिर की। अमेरिका द्वारा 11 सितंबर के हमलों के बाद सत्ता से बेदखल किए गए तालिबान ने अगस्त के मध्य में पूर्व में निर्वाचित पश्चिम के समर्थन वाली सरकार को हटाकर अफगानिस्तान पर फिर से नियंत्रण कर लिया था। तालिबान ने अफगानिस्तान के जटिल जातीय विन्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए एक समावेशी सरकार का वादा किया था। हालांकि, पिछले महीने विद्रोही समूह द्वारा घोषित अंतरिम मंत्रिमंडल में स्थापित तालिबान नेताओं का वर्चस्व था, जिन्होंने 2001 से अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अंतरिम मंत्रिमंडल में किसी महिला को नहीं लिया गया है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, 'काबुल में सत्ता में बदलाव, न तो बातचीत के जरिए हुआ और न ही समावेशी है। हमने लगातार व्यापक आधार वाली, समावेशी प्रक्रिया का आह्वान किया है, जिसमें अफगानों के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व शामिल हो।' अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के अंतिम चरण के दौरान तालिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर नियंत्रण कर लिया था।

कैलिफोर्निया विमान हादसे में भारतीय मूल के चिकित्सक समेत दो लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार भारतीय मूल के एक जानेमाने हृदरोग विशेषज्ञ समेत दो लोगों की मौत हो गयी और दुर्घटना के कारण पास के मकानों में आग लग गई जिससे काफी क्षति हुई। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। खबरों के अनुसार अरिजोना के युमा रीजनल मेडिकल सेंटर (वाईआरएमसी) में इंटरवेंशनल कॉर्डियोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत डॉ सुगत दास के पास दो इंजन वाला सेसना सी340 विमान था।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने श्रीलंका के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से की मुलाकात; रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा

कोलंबो। (एजेंसी)।

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बुधवार को यहां श्रीलंका के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व से मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। भारतीय सेना ने एक ट्वीट में कहा कि अपने श्रीलंकाई समकक्ष जनरल शावेंद्र सिल्वा के निमंत्रण पर मंगलवार को चार दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की जो श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति के साथ परस्पर और रणनीतिक सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय उच्चायोग ने यहां ट्वीट किया, '' भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की ताकि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन हासिल किया जा सके...।''

जनरल नरवणे ने सुबह प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से भी उनके आधिकारिक आवास 'टेंपल ट्रीज' पर मुलाकात की। श्रीलंका के न्यूज फर्स्ट चैनल के अनुसार जनरल नरवणे ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से कहा, दोनों सशस्त्र बलों के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं।'' उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक बातचीत दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में मदद करेगी। चैनल ने कहा कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पूरे वर्ष श्रीलंका को दी गयी सहायता, खासकर प्रशिक्षण के क्षेत्र में, की सराहना की। जनरल नरवणे ने श्रीलंका के विदेश सचिव जयंत कोलंबगे से भी मुलाकात की। इससे पहले जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्रालय के सचिव जनरल (सेवानिवृत्त) जीडीएच कमल गुनारत्ने से मुलाकात की तथा श्रीलंका व भारत के बीच प्रगाढ़ रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सेना मुख्यालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने सम्मान गारद का निरीक्षण किया। भारतीय सेना की तरफ से जारी एक अन्य ट्वीट के मुताबिक, ÷सेना प्रमुख ने शानदार 'टर्नआउट व परेड' के लिए गारद की सराहना भी की।÷ भारतीय सेना ने कहा कि जनरल नरवणे ने जनरल शावेंद्र सिल्वा से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के दौरान श्रीलंकाई सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की।

जनरल नरवणे ने यहां भारतीय शांति सेना (आईपीकेपी) युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया और भारतीय सेना के उन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने श्रीलंका में शांति अभियान के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने श्रीलंकाई सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। वह खुद भी 1987 से 1990 के बीच उत्तरी व पूर्वी श्रीलंका में भारतीय शांतिरक्षक बल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी पत्नी वीना नरवणे ने श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के युद्ध के दौरान दिव्यांग हुए सैनिकों के केंद्र मिहिन्दू सेठ मेदुरा का दौरा किया। उन्होंने वहां लोगों से बातचीत

की और उनका हालचाल जाना। बृहस्पतिवार को वह पूर्व में मदुरू ओया स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास 'मित्र शक्ति' का अंतिम प्रदर्शन देखेंगे। भारत और श्रीलंका ने पिछले सप्ताह द्वीपीय राष्ट्र के पूर्वी जिले अम्पारा में युद्धक प्रशिक्षण स्कूल' में आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ 12 दिवसीय व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू किया था। कर्नल प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में भारतीय सेना के 120 जवानों की सशस्त्र टुकड़ी की भागीदारी के साथ चार से 15 अक्टूबर तक 'मित्र शक्ति' अभ्यास का आठवां संस्करण चल रहा है। जनरल नरवणे की यात्रा विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला के श्रीलंका दौरे और देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के एक सप्ताह बाद हो रही है।

महिलाओं के अधिकार की बात पर तालिबान का जवाब, कहा- दुनिया हम पर दबाव न बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो गया है जिसके बाद से अब अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एक चिंता का विषय बन गया है। इसी बीच अब महिलाओं के अधिकार के मामले में तालिबान ने एक बयान जारी कर कहा है कि, दुनिया को दबाव बनाकर मांग नहीं करनी चाहिए बल्कि सहयोग मांगना चाहिए।टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान द्वारा नियुक्त कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अफगानिस्तान के पूर्व अफगान सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, दुनिया ने उस सरकार का पूरा समर्थन किया लेकिन अब वह अफगानिस्तान की इस नई सरकार का समर्थन करन से कतरा रही है और वह सरकार 20 सालों मे कोई सुधार नहीं ला पाई है।

तालिबान पर दबाव नहीं बनाना चाहिए!

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने आगे कहा कि, दुनिया को हमपर दबाव बनाकर मांदग नहीं करना चाहिए बल्कि सहयोग के जरिए पूछना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि,अफगानिस्तान की पिछली सरकार के पास दुनिया का पूरा समर्थन था लेकिन इन 20 सालों में वह देश में कोई सुधार लाने में असमर्थ रही।मुत्ताकी ने कहा कि, अफगानिस्तान में नई सरकार को आए केवल 2 महीने ही हुए है और इन 2 महीनों में ही सभी सुधारों की मांग की जा रही है। अमेरिका पर निशआना साधते हुए मुत्ताकी ने आगे कहा कि, अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच हुए दोहा समझौते से दोनों देशों के बीच किसी भी समस्या का समाधान हो सकता है। टोलो न्यूज ने मुत्ताकी के हवाले से बताया कि, कोरोना महामारी के कारण सभी प्रांत के स्कूलों को बंद कर दिया गया था लेकिन अब फिर से स्कूलों को खोला जाएगा। अफगानिस्तान की नई सरकार दुनियाभर का विश्वास जितने की पूरी कोशिश कर रहा है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि, काबुल हवाई अड्डे में जो भी हुआ है वो भुलाया नहीं जा सकता है और वह एक सबूत है जो हिंसक मानसिकता को दर्शाता है।

स्पेन के ला पाल्मा ज्वालामुखी में जोरदार विस्फोट, 800 लोगों को छोड़ना पड़ा घर

एरीडेन (स्पेन)। (एजेंसी)।

स्पेन के केनेरी द्वीप पर ला पाल्मा ज्वालामुखी में हाल में विस्फोट होने के बाद लावे का प्रवाह नयी दिशा में होना शुरू हो गया है, जिससे अटलांटिक महासागर की ओर अन्य इलाकों को भी खतरा पैदा हो गया है। ज्वालामुखी से निकल रहे लावे के नयी दिशा में फैलने और उसके संभावित मार्ग में द्वीप के निवासियों के घर पड़ने की आशंका के मद्देनजर अधिकारियों ने तटीय शहर लोस लियानोस डे एरीडेन के एक हिस्से से करीब 800 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का मंगलवार को आदेश दिया था। ज्वालामुखी में 19 सितंबर को शुरूआती विस्फोट होने के बाद करीब 6,000 लोगों को कुछ ही घंटों के अंदर क्षेत्र से हटा दिया गया था।

मंगलवार को ज्वालामुखी वैज्ञानिकों ने अधिकारियों को सलाह दी कि लावे का एक नया प्रवाह पहले खाली कराये गये क्षेत्र

के बाहरी इलाके के निर्जन इलाके की ओर बढ़ रहा है। एरीडेन की मेयर मारिया गार्सिया ने स्पेनिश सरकारी प्रसारक टीवीई को बताया कि पड़ोस का एक हिस्सा पहले ही खाली कराया जा चुका है, लेकिन नये सिरे से लावा निकलने के चलते इस क्षेत्र को भी खाली कराना आवश्यक था। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज बुधवार को द्वीप का दौरा करेंगे, जो ज्वालामुखी विस्फोट के बाद से उनकी चौथी यात्रा होगी। लावे से 1,400 से अधिक मकान नष्ट हो गये हैं। हालांकि, इससे किसी की जान नहीं गई है।

नहीं आ रहा चीन अपनी हरकतों से बाज, अब ताइवान के सैन्य अभ्यास पर दिया बड़ा बयान

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि ताइवान के नजदीक सैन्य अभ्यासों और जंगी विमान मिशन राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी थे। इससे क्षेत्र में चिंताएं बढ़ी हैं। चीन की सेना ने इस महीने की शुरूआत में एक दिन में 56 विमानों को ताइवान के दक्षिण पश्चिम अपतटीय क्षेत्र में भेजा था। ये सारे विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में थे लेकिन इसने इन आशंकाओं को पैदा किया कि कोई भी गलत कदम क्षेत्र में तनाव भड़का सकता है। ताइवान का मानना है कि चीन के ये कदम द्वीप राष्ट्र को सैन्य ताकत के दम पर नियंत्रण करने के खतरे को दर्शाता है जिसपर चीन दावा करता है।

चीन और ताइवान 1949 में गृह युद्ध के दौरान अलग हो गए थे और उनका आपस में कोई संपर्क नहीं है। कैबिनेट के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता मा शिओगुआंग ने बताया कि युद्धाभ्यासों का मकसद मूल रूप से चीनी राष्ट्र के हितों की रक्षा के साथ-साथ ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर के लोगों के अहम हितों की हिफाजत करना है। उन्होंने बीजिंग में दो हफ्ते में होने वाली प्रेस वार्ता में पत्रकारों से कहा, ÷ जनमुक्ति सेना के अभ्यास राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी कार्रवाई हैं।÷ शिओगुआंग ने तनाव बढ़ने के लिए ताइवान की स्वतंत्रता के प्रति झुकाव रखने वाली सरकार और बाहरी ताकतों से उसके संबंधों को जिम्मेदार ठहराया है। ताइवान अमेरिका का करीबी सहयोगी है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने बीजिंग के साथ हफ्ते भर के अप्रत्याशित तानव के बाद रविवार को द्वीप की चीन के बढ़ते दबाव से रक्षा करने का संकल्प लिया। पिछले शनिवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि ताइवान के एकीकरण को साकार किया जाना चाहिए और उसके लिए सर्वश्रेष्ठ माध्यम शांतिपूर्ण तरीका है। इसके बाद वेन ने रविवार को उक्त बयान दिया था।

क्या हवा से भी फैल सकता है कोरोना वायरस? जानिए क्या है सच्चाई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किये गये एक अध्ययन के अनुसार हल्की हवा में भी सार्स-सीओवी2 संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने घरों से बाहर विशेष रूप से हल्की हवा चलने पर मास्क पहनने की सिफारिश की है।

पत्रिका 'फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स' में बुधवार को प्रकाशित अनुसंधान में सामने आया कि जब कोई व्यक्ति खुले में खांसता है तो उस दिशा से हवा चलने से वायरस तेजी से लंबी दूरी तक पहुंच सकता है। आईआईटी, बंबई के सह-अध्ययनकर्ता अमित अग्रवाल ने कहा, ''यह अध्ययन हवा की दिशा में खांसने से संक्रमण का जोखिम अधिक होने की ओर इशारा करता है। इसके निष्कर्षों के अनुसार हम बाहर, खासतौर पर हल्की हवा चलने की स्थिति में मास्क पहनने की सिफारिश करते हैं।'' अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि खांसते समय कोहनी का इस्तेमाल करना या चेहरा दूसरी तरफ मोड़ने जैसे अन्य दिशानिर्देशों का पालन होना चाहिए ताकि बाहर लोगों से मिलने-जुलने में संक्रमण के प्रकोप को कम किया जा सके।

एलएसी पर बीमार पड़ रहे हैं चीनी सैनिक, दो टॉप कमांडर की हो चुकी है मौत, जानिए कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के खिलाफ चीन अपनी शैतानियों से बाज नहीं आ रहा है। हालांकि अब उसे यह भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल, एलएसी यानी कि भारत-चीन की सीमा रेखा पर तैनात चीनी सैनिक विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं। पिछले 17 महीनों से चीन भारतीय सीमा पर 50,000 से ज्यादा सैनिकों को तैनात कर रखा है। दोनों देशों के बीच लगातार तनाव की स्थिति है। लेकिन सैनिकों की बीमार पड़ने की वजह से चीन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। खबर यह भी है कि चीन के 2 टॉप कमांडरों की भी मौत हो चुकी है।

हो रही यह परेशानी

चीनी सैनिकों को लगातार विभिन्न गंभीर बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। वह एलएसी पर तैनात होकर गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो रहे हैं। भारतीय सीमा के सामने तिब्बत में तैनात चीनी कमांडर और सैनिक लगातार पेट, हृदय और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि हजारों फीट ऊंची बुलंद चोटियों के बीच और बर्फीले रेगिस्तान पर चीनी सैनिकों का गुजारा नहीं हो पा रहा है।

यह है वजह

खबरों के मुताबिक हिमालय के खंड चीनी सैनिक नहीं झेल पाते हैं। चीनी सैनिकों को विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही है। लद्दाख के डंठ और सख्त मौसम की मार उन पर लगातार पड़ रही है। इसके साथ ही चीनी सैनिक सर्द मौसम में युद्ध लड़ने की क्षमता तक नहीं रख पाते। चीनी सैनिकों को इस वातावरण में रहने की आदत नहीं है। उन्हें लगातार ऑक्सीजन कम होने की वजह से सिर दर्द, मचली, नींद और भूख न लगना और कमजोरी जैसे लक्षण हो रहे हैं। इतना ही नहीं, मुश्किल जगहों पर तैनाती की वजह से उनके फेफड़ों में पानी भर रहा है। दिमाग में सूजन या फिर दिल दौरे जैसी जानलेवा बीमारियां हो रही है।

भारतीय सैनिकों में है दम

भारतीय सेना को इन इलाकों में रहने का अच्छा अनुभव है और वाह वातावरण के अनुरूप खुद को ढाल चुके हैं। भारतीय सेना

सिर्फ लद्दाख में ही नहीं बल्कि कारगिल और सियाचिन जैसी ऊंची और बर्फीले इलाकों में भी चट्टान पर खड़ी रहती है। भारतीय सेना की हौसला और काबिलियत इसीलिए दमदार है। तैनाती के लिए भारतीय सेना को विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हालांकि तमाम प्रक्रियाओं को पास करने के बाद वहां सैनिकों की तैनाती होती है।

सार समाचार

मेरठः हरियाणा का नया गन्ना यूपी के किसानों को बनदेगा मालामाल

मेरठ। गन्ना बेल्ट पश्चिमी यूपी के किसानों की आमदनी और बढ़ाने के लिए हरियाणा के करनाल स्थित क्षेत्रीय गन्ना अनुसंधान केंद्र ने CO-15023 नाम की एक नई प्रजाति विकसित की है। यह कम लागत में ज्यादा मुनाफा देगी। इसमें रोग लगने की संभावना कम है। सिंचाई भी कम लगती है। रेड रॉट बीमारी की मार झेल रही गन्ना प्रजाति 0238 से किसानों ने पहले ही किनारा करना शुरू कर दिया है। लगभग दो लाख किसानों ने इसे छोड़कर गन्ने की नई अगेती और उन्नत प्रजाति 15023 को अपनाया है। गन्ना विभाग और चीनी मिल इसे प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। दावा है कि इस प्रजाति में 0238 के मुकाबले चीनी परता भी ज्यादा है और उत्पादन भी। वेस्ट यूपी के अनामिका शुगर मिल्स प्रा. लि.(अगौता) बुलंदशहर की पहल पर करनाल से लाकर इस प्रजाति की बुवाई शुरू की गई है। कुल 5 चीनी मिलों ने इसे अपने किसानों के लिए बुवाई शुरू कराई गई है। अगले एक साल में पश्चिमी यूपी के 27 जिलों और पूर्वांचल की खीरी बेल्ट में भी इसे लाया जाएगा। CO-15023 किस्म गन्ने की अच्छी प्रजातियों में मानी जा रही है। शोध संस्थान से इसी वर्ष फरवरी में इसे रिलीज किया गया। बुलंदशहर के अनामिका, हापुड़ जिले के सिंभावली, मेरठ के दौराला, शामली जिले की चीनी मिल क्षेत्र में इसकी बुवाई शुरू कराई गई है।

नोएडा में देह व्यापार का ऑनलाइन अड्डा चलाने वाला सरगना गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 24 पुलिस और गौतम बुद्ध नगर की मानव तस्करी पर नजर रखने वाली टीम ने ऑनलाइन देह व्यापार का अड्डा चलाने वाले एक व्यक्ति और चार लड़कियों को हिरासत में लिया है। पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) वृंदा शुक्ला ने बताया कि उन्हें काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गौतम बुद्ध नगर में ऑनलाइन देह व्यापार का अड्डा चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक सूचना के आधार पर मानव तस्करी निगरानी टीम के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह और थाना सेक्टर 24 पुलिस ने सेक्टर 52 के पास से आरोपी सलमान को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इसके पास से देह व्यापार में संलिप्त चार लड़कियों का भी पता चला है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार सलमान ने पुलिस को बताया कि देह व्यापार के लिए वह ऑनलाइन बुकिंग करता है तथा लड़कियों को ग्राहकों के साथ भेजता है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वह एक लड़की का सौदा पांच से 10 हजार रुपये में करता था। उसके पास से मोबाइल फोन और एक लग्जरी कार बरामद हुई है। शुक्ला ने बताया कि छुड़ाई गई चार लड़कियों को नारी निकेतन भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव 18 अक्टूबर को तय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव आगामी 18 अक्टूबर को कराया जाएगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने बुधवार को बताया कि विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने 17वीं विधानसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए 18 अक्टूबर की तारीख तय की है। यह चुनाव विधान सभा कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराहन एक बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि सदन का कोई भी सदस्य निर्धारित प्रपत्र भरकर किसी अन्य सदस्य को नामित कर सकता है। गौरतलब है कि राज्य विधानसभा का विशेष सत्र 18 अक्टूबर को आहूत किया गया है।

कोबरा सांप का इस्तेमाल कर पत्नी की हत्या की, पति को कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

कोल्लम (केरल)। केरल की एक सत्र अदालत ने कोबरा सांप का इस्तेमाल कर पत्नी की हत्या के मामले में पति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने 11 अक्टूबर को सूरज एस कुमार को कोबरा का इस्तेमाल कर 25 वर्षीय पत्नी की हत्या करने, जहर देने, सबूत मिटाने और हत्या के प्रयास का दोषी ठहराया था। विशेष लोक अभियोजक (एसएसपी) जी मोहनराज ने अदालत के बाहर पत्रकारो को बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनोज एम ने कहा कि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम है, लेकिन दोषी की उम्र (अब 28 साल) को देखते हुए उसे मृत्युदंड के बजाय उम्रकैद की सजा देने का फैसला किया है। एसएसपी ने यह भी कहा कि अदालत ने कुमार को हत्या के प्रयास के अपराध में उम्रकैद, जहर देने के मामले में 10 साल और सबूत नष्ट करने के लिए सात साल की सजा सुनाई। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने विशेष रूप से निर्देश दिया है कि दोषी को पहले जहर देने और सबूत नष्ट करने के जुर्म में कुल 17 साल की सजा दी जाएगी।

दशहरा के बाद स्थिति के आधार पर कोविड-19 नियमों में राहत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोम्मई

मंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को कहा कि सीमावर्ती जिलों में लागू कोविड-19 नियमों में दशहरा के बाद स्थिति की समीक्षा के आधार पर छूट देने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचे बोम्मई ने कहा कि दशहरा के बाद सरकार आकलन बैठक करेगी और उसके बाद निर्णय लेगी। प्राथमिक विद्यालयों को खोलने के संबंध में भी निर्णय लिया जाएगा। दक्षिणी कन्नड़ जिले में नैतिकता का पाठ पढ़ाने संबंधी मामलों पर उन्होंने कहा कि समाज में सभी को जिम्मेदार तरीके से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें सामाजिक समरसता बनाए रखनी चाहिए और समाज में नैतिकता होनी चाहिए।

सरकार का बड़ा फैसला, इस श्रेणी की महिलाओं को छह महीने तक गर्भपात कराने की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने गर्भपात संबंधी नये नियम अधिसूचित किये हैं जिसके तहत कुछ विशेष श्रेणी की महिलाओं के मेडिकल गर्भपात के लिए गर्भ की समय सीमा को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह (पांच महीने से बढ़ाकर छह महीने) कर दिया गया है। गर्भ का चिकित?सकीय समापन (संशोधन) नियम, 2021 के अनुसार, विशेष श्रेणी की महिलाओं में यौन उत्पीड़न या बलात्कार या कौटुंबिक व?यभिचार की शिकार, नाबालिग, ऐसी महिलाएं जिनकी वैवाहिक स्थिति गर्भावस्था के दौरान बदल गयी हो (विधवा हो गयी हो या तलाक हो गया हो) और दिव्यांग महिलाएं शामिल हैं।

नये नियम में मानसिक रूप से बीमार महिलाओं, भ्रूण में ऐसी कोई विकृति या बीमारी हो जिसके कारण उसकी जान को खतरा हो या फिर जन्म लेने के बाद उसमें ऐसी मानसिक या शारीरिक विकृति होने की आशंका हो जिससे वह गंभीर विकलांगता का शिकार हो सकता है, सरकार द्वारा घोषित मानवीय संकट ग्रस्त क्षेत्र या आपदा या आपात स्थिति में गर्भवती महिलाओं को भी शामिल किया गया है। यह नये नियम मार्च में संसद में पारित गर्भ का चिकित?सकीय समापन (संशोधन) विधेयक, 2021 के तहत अधिसूचित किए गए हैं। पुराने नियमों के तहत, 12 सप्ताह (तीन महीने) तक के भ्रूण का गर्भपात कराने के लिए एक डॉक्टर की सलाह की जरुरत होती थी और 12 से 20 सप्ताह (तीन से पांच महीने) के गर्भ के मेडिकल समापन के लिए दो डॉक्टरों की सलाह आवश्यक होती थी।

नये नियमों के अनुसार, भ्रूण में ऐसी कोई विकृति या बीमारी हो जिसके कारण उसकी जान को खतरा हो या फिर जन्म लेने के बाद उसमें ऐसी मानसिक या शारीरिक विकृति होने की आशंका हो जिससे वह गंभीर विकलांगता का शिकार हो सकता है, इन परिस्थितियों में 24 सप्ताह (छह महीने) के बाद गर्भपात के संबंध में फैसला लेने के लिए राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड का काम होगा, अगर कोई महिला उसके पास गर्भपात का अनुरोध लेकर आती है तो उसकी और उसके रिपोर्ट की जांच करना और आवेदन मिलने के तीन दिनों के भीतर गर्भपात की अनुमति देने या नहीं देने के संबंध में फैसला सुनाना है। बोर्ड का काम यह ध्यान रखना भी होगा कि अगर वह गर्भपात कराने की अनुमति देता है तो आवेदन मिलने के पांच दिनों के भीतर पूरी प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से पूरी की जाए और महिला की उचित काउंसिलिंग की जाए।

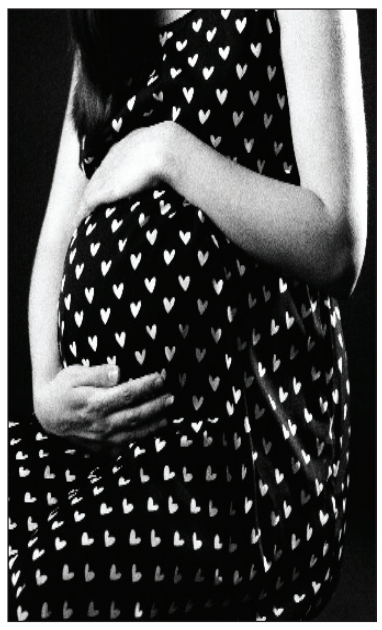

राज्यपाल तिब्बती युवा कांग्रेस के सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए

धर्मशाला। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर जिला कांगड़ा के मैक्लोडगंज में तिब्बती युवा कांग्रेस की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित स्वर्ण जयंती सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए। निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रेसिडेंट पेन्पा शेरिंग ने राज्यपाल को सम्मानित किया। आयोजन में भारतीय व तिब्बती संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इन्द्रेश कुमार, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के सभापति खेन्पो सोनम, मुख्य न्यायाधीश डागपो सोनम, उप-सभापति डोलमा शेरिंग, तिब्बती युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गोन्पो धोन्दुप, उपायुक्त कांगड़ा निपुन जिन्दल, पुलिस अधीक्षक कुशाल शर्मा, जिला प्रशासन के अधिकारी अन्य अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

कांग्रेस नेताओं ने ही कर दिया खुलासा, शिवकुमार लेते हैं 10-12 प्रतिशत कमीशन, करीबी ने 100 करोड़ कमाए, सोचिए डीके के पास कितना होगा?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पूर्व लोकसभा सदस्य वीएस उग्रप्पा और कांग्रेस पार्टी के मीडिया समन्वयक एमए सलीम कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को बेनकाब करते हुए कैमरे में कैद हो गए। एक टेप सामने आया है जिसमें दोनों नेताओं को बात करते हुए सुना जा सकता है, जहां एमए सलीम को वीएस उगरप्पा यह कह रहे हैं कि डीके शिवकुमार 10त्न रिश्वत लेते हैं और उनके सहयोगियों ने 100 करोड़ रुपये उगाही कर कमाए हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया साइटों और टेलीविजन चैनलों पर वायरल वीडियो ने डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच पहले से ही चल रहे खींचतान के बाद पार्टी की और किरकिरी करा दी है।

कांग्रेस नेताओं के शिवकुमार को लेकर बातचीत का वीडियो बीजेपी मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने ट्विट किया है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के पूर्व सांसद वीएस उग्रप्पा और केपीसीसी के मीडिया समन्वयक सलीम चर्चा प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के रिश्वत लेने की चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि दोनों शिवकुमार को लेकर यह भी चर्चा कर रहे हैं कि कैसे बात करते समय वो हकलाता है और मानो वह अपने नशे में हो।

सलीम ने आरोप लगाते हुए कहा कि शिवकुमार पहले 6 प्रतिशत से लेकर 8 प्रतिशत कमीशन लिया करते थे, लेकिन अब बढ़ाकर इसे 10-20 प्रतिशत कर दी है। उन्होंने ये भी कहा कि ये महाघोटाला है और आप जितना खोदोगे, उतना निकलेगा। सलीम ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि डीके के सहयोगी मुलगुंड ने 50 से 100 करोड़ कमा लिए हैं। सलीम ने आरोप लगाते हुए कहा कि डीके के करीबी मुलगुंड ने 50 से 100 करोड़ रुपये कमाए हैं और सोचिए जब मुलगुंड के पास इतना है तो डीके के पास कितना होगा? सलीम वीडियो में आगे शिवकुमार पर शराब पीने का आरोप भी लगाते सुनाई दे रहे हैं। सलीम कहते हैं कि वो बात करते समय अक्सर हकलाते हैं और उन्हें शक है कि वो शराब पीकर आते हैं। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत कर्नाटक कांग्रेस के प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले रिकॉर्ड हो गई।

दिल्ली दंगे: नाले से शव बरामद होने के मामले में हाई कोर्ट ने दो आरोपियों की जमानत खारिज की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली दंगे के दौरान गोकुलपुरी इलाके में नाले से मिले 15 साल के लड़के का शव मिलने के मामले में दो आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ ने कहा कि चश्मदीदों की गवाही पर गौर करते हुए, जिन्होंने अंकित चौधरी और ऋषभ चौधरी को दूसरे धर्म के व्यक्ति की पिटाई करते हुए देखने का दावा किया है, रिहाई का कोई आधार नहीं बनता। न्यायमूर्ति मुक्ता ने आगे कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता अपराध स्थल के आसपास रहते थे जहां पर रिकॉर्ड के मुताबिक उनके फोन का लोकेशन था, ऐसे में यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है वे मौके पर मौजूद नहीं थे और उन्होंने घर पर ही फोन छोड़ दिया होगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक 15 साल के लड़के का शव एक मार्च 2020 को नाले से मिला था और उसके सिर के पीछे चोट के निशान थे। मृतक के पिता ने कपड़ों के आधार पर 13 मार्च 2020 को शव की पहचान की। इस मामले में गोकुलपुरी पुलिस थाने में हत्या सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने रेखांकित किया कि गवाहों के बयान के मुताबिक याचिकाकर्ता सहित कुछ लोग पुलिया के नजदीक एकत्र थे और वहां से गुजरने वालों पर डंडों, लोहे की छड़ें और पत्थर से हमला कर उन्हें नाले में फेंक रहे थे। अदालत ने कहा, '' यह स्पष्ट है कि तीन गवाहों ने साफ तौर पर दो याचिकाकर्ताओं सहित अन्य आरोपियों की पहचान की है जो घटनास्थल पर मौजूद थे और प्रत्येक व्यक्ति की पहचानपत्र देख दूसरे धर्म का पता लगा रहे थे और उनपर हमला कर रहे थे। गवाहों के बयान में आरोपी के नाम हैं।'' अदालत ने कहा, ''गवाहों के बयान, जो स्थानीय निवासी हैं, पर गौर करने के बाद यह अदालत याचिकाकर्ताओं को नियमित जमानत देने का कोई आधार नहीं पाती।

देश में बिजली आपूर्ति की नहीं होगी समस्या, हो रही पर्याप्त कोयले की सप्लाई: प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रल्हाद जोशी

कोयले की कमी की आशंका की वजह से बिजली संकट को लेकर कई राज्य चिंतित नजर आ रहे हैं। कई राज्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोयले की संकट से अवगत कराया है। इसके साथ ही पर्याप्त बिजली सप्लाई को लेकर अपनी बात कही है। इन सबके बीच केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बड़ा बयान दिया है। प्रह्लाद जोशी ने साफ तौर पर कहा कि मांग के अनुरूप कोयले की सप्लाई की जा रही है। देश में बिजली की आपूर्ति की कोई समस्या नहीं होगी। अपने बयान में प्रहलाद जोशी ने कहा कि हमें बिजली मंत्रालय की तरफ से 1.9 मिलियन टन कोयले की मांग की गई और बाद में 2 मिलियन टन की मांग की गई थी। आज 2 मिलियन टन कोयले की सप्लाई की स्वीकृति दे दी गई है।

प्रह्लाद जोशी ने आगे कहा कि देश में बिजली की आपूर्ति करने के लिए कोई समस्या नहीं होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन की स्थिति का जायजा लिया। विभिन्न राज्यों में कोयले की कमी के कारण ऊर्जा संकट को दूर करने के उपायों पर गौर करने तहत यह कदम उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, बिजली सचिव आलोक कुमार और कोयला सचिव ए के जैन ने कोयला तथा बिजली की उपलब्धता के बारे में पूरी जानकारी दी। बैठक में कोयले का परिवहन बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय से ईंधन आपूर्ति बढ़ाने को कहा गया है जबकि रेलवे से बिजलीघरों तक कोयले की ढुलाई को लेकर रैक उपलब्ध कराने को कहा गया है।

देश में कोयले की कमी से विभिन्न राज्यों में बिजली की कटौती हुई है। देश में कुल ऊर्जा उत्पादन में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। करीब दो-तिहाई कोयला आधारित बिजलीघरों में एक सप्ताह या उससे कम का ईंधन भंडार बचा है। हालांकि, कोयला मंत्रालय ने कहा कि बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा की बात गलत है। राज्य मांग को पूरा करने के लिये बिजली एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने संकट को दूर करने के लिये निर्देश जारी किये हैं। इसमें जहां राज्यों से एक्सचेंज को बिजली ऊंचे दाम पर बेचने से मना किया गया है वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली उत्पादकों से पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, बारिश प्रभावित किसानों के लिए 10,000 करोड़ के पैकेज की घोषणा

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र सरकार ने उन किसानों के लिये 10 हजार करोड़ रुपये की सहायता की घोषणा की है जिनकी फसल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बर्बाद हो गई थी। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और लोकनिर्माण विभाग के मंत्री अशोक चव्हाण ने यहां मुंबई में संयुक्त रूप से यह घोषणा की। पवार के पास वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। सरकार ने एक बयान में कहा, ÷इस साल जून से अक्टूबर के बीच हुई अत्याधिक भारी बारिश के कारण 55 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों को कुछ राहत पहुंचाने के लिये प्रदेश सरकार ने प्रभावित किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है।÷ इसमें कहा गया कि भारी बारिश के कारण जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

बयान में कहा गया कि किसानों की जोत का आकार चाहे जो हो उन्हें दो हेक्टेयर जमीन पर फसल के नुकसान के लिये मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि प्रदेश सरकार ने सहायता के वितरण के संदर्भ में एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा राहत कोष) के निर्देशों के लिए और इंतजार नहीं करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि गैर-सिंचित भूमि पर फसल के नुकसान के लिये किसान को 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा सिंचित भूमि पर फसल के नुकसान के लिये 15 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि बहुवर्षीय फसल जो बागवानी के तहत आती है, के लिये किसानों को मुआवजे के तौर पर प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपये दिए जाएंगे।

अखिलेश का 'विजय रथ यात्रा' से भाजपा पर वार, बुंदेलखंड की जनता वोटों पर चलाएगी बुलडोजर

हमीरपुर (उप्र)। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि बुंदेलखंड की जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ इतने वोट डालेगी कि इनके वोटों पर बुलडोजर चल जाएगा। 'समाजवादी विजय रथ' से यात्रा पर निकले यादव मंगलवार को दूसरे दिन हमीरपुर में जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था 'लेकिन आय तो दोगुनी नहीं हुई, मंहगाई जरूर दोगुनी हो गई।'

यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमारे बाबा मुख्यमंत्री को दो चीजें पसंद हैं - एक बुल और दूसरा बुलडोजर। पिछली बार बुलडोजर की कमान इनके हाथों में दे दी गई थी लेकिन इस बार बुंदेलखंड की जनता ने तय कर लिया है कि बुलडोजर का स्टेरिंग वह अपने हाथ में रखेगी और भाजपा के खिलाफ इतने वोट डालेगी कि इनके वोटों पर बुलडोजर चल जायेगा।' समझा जाता है कि बुल से यादव का अभिप्राय उन आवारा पशुओं से था जो किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और बुलडोजर से उनका मतलब प्रदेश सरकार द्वारा अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाने से था। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लोगों तक पहुंचने और उनका समर्थन हासिल करने की मंशा से मंगलवार को कानपुर से समाजवादी विजय यात्रा की शुरुआत की थी। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह कानपुर देहात होते हुये हमीरपुर पहुंचे। यह यात्रा एक विशेष बस से शुरू हुई, जिसका नाम पार्टी ने विजय रथ रखा है। कानपुर से शुरू हुई यात्रा पहले दो दिनों में (12-13 अक्टूबर) पहले चरण के तहत कानपुर देहात, जालौन और हमीरपुर जिलों में जाएगी। 'विजय रथ' पर सवार यादव ने कहा, 'बुंदेलखंड की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया लेकिन उसने आपके बहुमत का मजाक उड़ाया, आपके बहुमत को धोखा देने का काम किया है।

भाजपा ने आपको मंहगाई दी, बेरोजगारी दी और बिजली के बिल मंहगे कर दिए।' उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में बुंदेलखंड की जनता जितना समर्थन कर सकती थी उसने भाजपा का उतन समर्थन किया। यहां की जनता ने भाजपा के अलावा एक भी सीट किसी को नहीं जीतने दी लेकिन भाजपा ने उस बहुमत का मजाक उड़ाया है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर सपा नेता ने कहा, 'आने वाले समय में संघर्ष दूसरे प्रकार का है। भाजपा पिछड़ों, दलितों को उनका हक नहीं देना चाहती, जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती। हम कहते हैं सब को उनका हक देना चाहिए, यही संविधान में लिखा है।' कृषि कानून पर सरकार पर निशाना साधते हुये पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'याद रखिए एक कानून से ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में सरकार बन गई थी, और जो यह किसान विरोधी कानून लाया जा रहा है, अगर वह लागू हो गया तो किसान अपने खेत में मजदूर बन जाएगा। भाजपा ने किसान आंदोलन को खत्म करने के लिए गाड़ी में बैठकर किसानों को कुचल दिया। अगर यह तीन कृषि कानून पारित हुए तो हमारे और आपके खेत छिन जाएंगे।' सरकार द्वारा बनाए जा रहे रक्षा गलियारे पर सवाल उठाते हुये सपा अध्यक्ष ने कहा, 'इन्होंने आपसे रक्षा फैक्टरी लगाने का, रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन कहीं कोई फैक्टरी लगी या किसी को रोजगार मिला? यह रक्षा गलियारा दिवाली के फुस्स सुतली बम की तरह निकला।' कानपुर देहात से निकली समाजवादी पार्टी की विजय रथा यात्रा का जगह-जगह पर स्वागत किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

हरियाणा में मॉब लिंचिंग

मामूली रंजिश में बीएससी के छात्र की पीट-पीटकर हत्या, जल्दी दम न तोड़े इसलिए पिलाते रहे पानी

रेवाड़ी। हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में एक पिछड़ी जाति के छात्र पर बेरहमी से लाठी-डंडे बरसाने का वीडियो सामने आया है। हमले में घायल छात्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वायरल वीडियो में बदमाश हमला करने के साथ ही बीच-बीच में छात्र को पानी भी पिलाते दिख रहे हैं। वारदात 9 अक्टूबर की है, लेकिन वीडियो अब सामने आया। इस मामले में महेन्द्रगढ़ पुलिस ने आधा दर्जन नामजद सहित कई लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया है। एक आरोपी विक्की उर्फ फुकरा को गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने उसे दो दिन की

रिमांड पर भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गौरव की मौत का कारण बेरहमी से हुई पिटाई ही सामने आई हैं। महेन्द्रगढ़ जिले के गांव बवाना निवासी 18 वर्षीय छात्र गौरव यादव 9 अक्टूबर की दोपहर महेन्द्रगढ़ से बाइक पर अपने घर लौट रहा था। तभी उसे रास्ते में गांव मालड़ा में नहर के पास रवि, कप्तान, अजय और मोहन समेत 10 से अधिक लोगों ने रोक लिया। इससे पहले गौरव कुछ समझ पाता बदमाशों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। एक आरोपी घटना का वीडियो बना रहा था, बाकी लोग गौरव पर लाठी-डंडों की बौछार करने लगे। उसे बचाने के लिए एक व्यक्ति आता है, जिसे आरोपी वहां से हटा देते हैं। गौरव हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन आरोपी उस पर लगातार हमला करते रहे। आरोपी कुछ देर रुकने के बाद गौरव को पानी पिलाते और फिर पीटना शुरू कर देते। बताया जा रहा है कि इसके बाद बदमाश उसे एक होटल के पीछे लेकर गए। यहां भी गौरव को बुरी तरह

पीटा। कुछ देर बाद आरोपी उसे बेसुध छोड़कर फरार हो गए। गौरव के परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उसी दिन उसकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार 15 सितंबर को इलाके में देवी जागरण हो रहा था। यहीं पर गौरव और रवि उर्फ लंगड़ा के बीच किसी बात पर कहासुनी हुई थी। वायरल वीडियो में भी रवि ही बेरहमी से मारपीट और गाली-गलौज करता दिख रहा है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 3 अलग-अलग टीमें गठित की हैं। कुछ दिन पहले ऐसा ही एक वीडियो राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा में प्रेमपुरा में सामने आया था। उस वायरल वीडियो में भी हमलावर इसी तरह हमला कर पीड़ित को बीच-बीच में पानी पिलाकर मारते दिख रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश यादव का 'विजय रथ यात्रा' से सीएम पर वार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि बुंदेलखंड की जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ इतने वोट डालेगी कि इनके वोटों पर बुलडोजर चल जाएगा। 'समाजवादी विजय रथ' से यात्रा पर निकले अखिलेश यादव मंगलवार को दूसरे दिन हमीरपुर में जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था ह्लेकिन आय तो दोगुनी नहीं हुई, मंहगाई जरूर दोगुनी हो गई। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, हमारे बाबा मुख्यमंत्री को दो चीजें पसंद हैं- एक बुल और दूसरा बुलडोजर। पिछली बार बुलडोजर की कमान इनके हाथों में दे दी गई थी लेकिन इस बार बुंदेलखंड की जनता ने तय कर लिया है कि बुलडोजर का स्टेरिंग वह अपने हाथ में रखेगी और भाजपा के खिलाफ इतने वोट डालेगी कि इनके वोटों पर बुलडोजर चल जायेगा। समझा जाता है कि बुल से यादव का अभिप्राय उन आवारा पशुओं से था जो किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और बुलडोजर से उनका मतलब प्रदेश सरकार द्वारा अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाने से था। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अगले वर्ष की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लोगों तक पहुंचने और उनका समर्थन हासिल करने की मंशा से मंगलवार को कानपुर से समाजवादी विजय यात्रा की शुरूआत की थी। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह कानपुर देहात होते हुये हमीरपुर पहुंचे। यह यात्रा एक विशेष बस से शुरू हुई, जिसका नाम पार्टी ने विजय रथ रखा है।

सीएम योगी का विपक्ष पर वार

बोले: पहले त्योहारों में लगता था कर्फ्यू, अब कोरोना भी भाग जाता है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारें पहले भी थीं लेकिन विकास नहीं था। अब सरकार भी है और विकास भी। जब से केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, उत्तर प्रदेश बदल गया है। शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पहले त्योहार आते थे तो कर्फ्यू लग जाता था, अब त्योहार आते हैं तो कोरोना महामारी भी भाग जाती है। आज हम कोरोना को पूरी तरह रोकने में सफल हुए हैं। उत्तर प्रदेश 44 योजनाओं के साथ देश में नंबर वन है। सीएम योगी आदित्यनाथ, बुधवार को महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय जंगल कौडिया के लोकार्पण समारोह एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12 फुट उची कांस्य प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ मंच पर डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा और स्थानीय जन प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले सड़कें जर्जर थी, लोगों को बिजली के लिए तरसना पड़ता था। शिक्षा और स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। लोगों की सुरक्षा पर कोई ध्यान ही नहीं था। 2017 में जब भाजपा की सरकार प्रदेश में आई तो सड़कें भी बनीं। गांव-गांव बिजली पहुंची। शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर ऐतिहासिक कार्य हुए। सुरक्षा को लेकर तो संदेह ही खत्म हो गया। कोरोना जैसी महामारी भी टिक नहीं सकी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास का रास्ता जो बंद था, उसे खोलने का कार्य भाजपा सरकार ने किया। आज बदला हुआ उत्तर प्रदेश सबके सामने है।

कम नहीं हो रहीं कांग्रेस की मुश्किलें

अब 100 करोड़ की घूसखोरी पर कर्नाटक में कलह, दो नेता सस्पेंड

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व लोकसभा सांसद बीएस उग्रप्पा और कर्नाटक कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर सलीम अहमद को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ बोलना महंगा पड़ गया है। कांग्रेस ने वीएस उग्रप्पा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है तो वहीं एमए सलीम अहमत को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। दोनों नेताओं को एक वीडियो रिकॉर्डिंग में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के घूस लेने के बारे में बात करते सुने गए थे। वीएस उग्रप्पा और सलीम अहमद की बातचीत कर्नाटक कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले रिकॉर्ड हुई थी। इस दौरान दोनों नेता 100 करोड़ रुपये की घूस को लेकर बात कर रहे थे। वीडियो में दोनों को यह भी कहते हुए सुना गया था कि जब डीके शिवकुमार मंत्री थे तब वह

18 से 20 प्रतिशत तक कमीशन लेते थे। कांग्रेस ने पार्टी प्रवक्ता उग्रप्पा से अगले तीन दिनों के अंदर सफाई मांगी है तो वहीं एमए सलीम को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया गया है।

सलीम और उग्रप्पा को एक-दूसरे से यह कहते हुए भी सुना गया कि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष के सहयोगियों ने 100 करोड़ रुपये उगाही से कमाए हैं। दोनों के बीच यह बातचीत सिंचाई विभाग के घोटाले को लेकर हो रही थी। 14 महीने तक चली कांग्रेस-जेडीएस की गठबंधन वाली सरकार के समय डीके शिवकुमार सिंचाईं मंत्री थे। हालांकि, उग्रप्पा ने अपनी सफाई में यह कहा है कि सलीम उन्हें सिर्फ यही बता रहे थे कि 7 अक्टूबर को कर्नाटक-महाराष्ट्र सहित चार राज्यों में हुई आयकर विभाग की छापेमारी को लेकर बीजेपी के लोग क्या बातचीत कर रहे हैं।

लखीमपुर खीरी हिंसा में मुख्य आरोपी आशीष मिश्र को जमानत नहीं

सीजेएम कोर्ट ने खारिज की याचिका

कानपुर। लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्रे की जमानत अर्जी सीजेएम कोर्ट से खारिज हो गई है। आशीष के वकील अवधेश सिंह ने कोर्ट में जमानत याचिका डाली थी। वहीं अन्य आरोपी शेखर भारती को तीन दिन पुलिस कस्टडी में भेजे जाने की संभावना है। तीन अक्टूबर को लखीमपुर हिंसक झड़प में चार किसान, एक स्थानीय पत्रकार और एक भाजपा कार्यकर्ता सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। आशीष मिश्रे इस मामले में मुख्य आरोपी है। आरोप है कि जिस थार जीप से किसानों को कुचला गया था वह आशीष मिश्र ही चला रहा था। मामले के राजनीतिक तूल पकड़ने बाद पुलिस ने आशीष मिश्रे को पूछताछ के लिए समन भेजकर बुलाया गया लेकिन वह पहले दिन

(शुक्रवार) को क्राइम ब्रांच के ऑफिस नहीं पहुंचा। इसके बाद एक और समय जारी किया गया तब जाकर अगले दिन शनिवार को पेश हुआ और करीब 12 घंटे की पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी दी कि आशीष मिश्रे जांच में सहयोग नहीं कर रहे। इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया जाता है। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में फरार चल रहे आरोपी अंकित दास के घर पुलिस ने नोटिस चस्पा कर दिया है। नोटिस में उसे एसआईटी ने तमाम सबूतों के साथ तलब किया है।

वर्क इन प्रोग्रेस का बोर्ड लगा देते थे, पर काम लटका ही रह जाता था

गति शक्ति की लॉन्चिंग पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नेशनल मास्टर प्लान 'गति शक्ति' को लॉन्च किया। इस प्लान के तहत देश भर में रेल, मेट्रो, वॉटरवेज समेत तमाम सेक्टर्स में 1 लाख करोड़ रुपये तक के काम किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को लॉन्च करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम देश के 25 सालों के विकास की नींव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि गति शक्ति के जरिए 21वीं सदी में देश के विकास का खाका तैयार हो सकेगा। इसके जरिए सभी जरूरी प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे हो जाएंगे। उन्होंने विकास के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा कि क्वॉलिटी ढांचा बेहद जरूरी है। उसके आधार पर ही देश विकास की राह पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक तमाम सरकारी विभाग अलग-अलग काम करते थे। उनके बीच कोई समन्वय नहीं होता था और इससे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में देरी होती थी। अब ऐसा नहीं होगा। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के विरोध पर भी तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ लोग इन्फ्रास्ट्रक्चर के विरोध पर गर्व करते हैं। उनका इतना ही काम है।' पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते कुछ सालों में हमारी एप्रोच समन्वय के

साथ विकास परियोजनाओं पर काम करने की रही है। इससे विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों की तुलना में भारत आज ज्यादा स्पीड और अधिक स्केल पर काम कर रहा है। कुछ दल तो सिर्फ आलोचना में ही जुटे हैं। ये लोग इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी विरोध कर रहे हैं। यही नहीं पिछली सरकारों पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'पहले वर्क इन प्रोग्रेस के बोर्ड हर जगह लगा दिए जाते थे। लोग समझते थे कि यह काम तो कभी पूरा नहीं होगा। इससे पता चलता है कि लोगों में कितना अविश्वास था। लेकिन हमने इस सोच को बदला है। हमने अच्छे से प्लानिंग की और फिर परियोजनाओं को गति देने का भी काम किया है।' अपनी सरकार के दौर में हुए काम का ब्योरा देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 तक देश में सिर्फ 5 वॉटरवेज थे, जो अब बढ़कर 13 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 9,000 किमी रेलवे लाइन का दोहरीकरण हुआ है। इसके अलावा 24,000 करोड़ रेलवे लाइन इलेक्ट्रिक हो रही हैं। फिलहाल देश में 16,000 किमी गैस पाइपलाइन पर काम चल रहा है। देश में 1,000 किलोमीटर मेट्रो रूट पर भी काम चल रहा है। 16 केंद्रीय मंत्रालय का ग्रुप 'महाअष्टमी के पावन अवसर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में सुबह 11 बजे पीएम 'गति शक्ति' लॉन्च इवेंट हुआ। लॉन्चिंग इवेंट में मौजूद प्रधानमंत्री मोदी ने रिमोट बटन दबाकर योजना की शुरूआत करने से पहले गति शक्ति मास्टर प्लान और प्रगति मैदान में नए प्रदर्शनी परिसर के मॉडल की समीक्षा की। महत्वाकांक्षी योजना में 16 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा नियोजित और शुरू की गई ढांचागत पहलों को एकजुट करने के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल की परिकल्पना की गई है।

आर्यन खान को जेल में ही काटनी होगी आज की रात, आज होगी बेल पर सुनवाई

मुम्बई। ड्रग्स केस के आरोपी शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को आज की रात भी जेल में ही काटनी होगी। बुधवार को उनकी बेल अर्जी पर करीब तीन घंटे तक सुनवाई चली और कोई फैसला नहीं आया। कोर्ट ने अब गुरुवार को इस पर सुनवाई की बात कही है। गुरुवार को सुबह 11 बजे के बाद ही इस मामले पर अब सुनवाई होगी। ऐसे में जेल से बाहर आने का आर्यन खान का इंतजार लंबा हो गया है। एएसजी अनिल सिंह की दलील- जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान आर्यन अपने बयान से पीछे हट गया। बेशक वो ऐसा कर सकता है लेकिन उनके

दूसरे बयान का क्या जिसमें उन्होंने अपने दोस्त के साथ ड्रग्स लेने की बात स्वीकारी थी।थोक मात्रा की बातचीत व्यक्तिगत अपयोग के लिए तो बिल्कुल नहीं हो सकती। कुछ और है। हमने विदेशी नागरिक का पता लगाने के लिए विदेश मंत्रालय से बात की है।

महाराष्ट्र: 'एनसीबी से बेहतर काम करता है मुंबई पुलिस का एंटी-नारकोटिक्स सेल',

मुम्बई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता शरद पवार ने लखीमपुर हिंसा से लेकर महाराष्ट्र में ड्रग्स पकड़ने के लिए एनसीबी के छापों पर निशाना साधा है। पवार ने आरोप लगाया कि सीबीआई, ईडी और एनसीबी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनसीबी से बेहतर काम तो मुंबई पुलिस का एंटी-नारकोटिक्स सेल करता है। बता दें कि महाराष्ट्र में एनसीबी के कुछ हाई-प्रोफाइल छापों के बाद महाविकास अघाड़ी और खासकर राकांपा ने एनसीबी पर जबरदस्त निशाना साधा है। पवार ने महाराष्ट्र

के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, ₹ये अच्छा है कि देवेंद्र फडणवीस अभी अपने आप को मुख्यमंत्री समझता है। मैं उन्हें बधाई देता हूं। पांच साल तक सीएम रहने के बाद फडणवीस को लगता है कि यह पद अभी भी उनके पास है। लेकिन मेरे अंदर यह लक्षण नहीं थे। मैं चार बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री रहा और मुझे याद तक नहीं है। इसके अलावा पवार ने एक बार फिर केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। पवार ने कहा है कि लखीमपुर में किसानों को कुचल कर मौत के घाट उतार दिया गया। किसानों का कहना था कि केंद्रीय राज्य मंत्री का बेटा घटनास्थल पर मौजूद था। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद उनका बेटा गिरफ्तार कर लिया जाता है। सत्तासीन पार्टी को एक पक्ष रखना चाहिए। न ही यूपी सीएम (योगी आदित्यनाथ) और न ही राज्यमंत्री इस मामले में जिम्मेदारी से भाग सकते हैं।

कोयला संकट अफवाह: वित्त मंत्री सीतारमण ने खारिज किए कमी के दावे, कहा- भारत पावर सरप्लस देश है

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हॉर्वर्ड कैनेडी स्कूल में मोसावर-रहमानी सेंटर फॉर बिजनेस एंड गवर्नमेंट की ओर से आयोजित वार्ता में हिस्सा ले रही थीं। यहां हॉर्वर्ड के प्रोफेसर लॉरेंस समर्स ने भारत में कोयले की कमी से संबंधित खबरों के बारे में सवाल पूछा था। जिसके जवाब में सीतारमण ने कहा कि बिजली मंत्री आरके सिंह कुछ दिन पहले ही बयान दे चुके हैं कि जिसमें उन्होंने कोयले की कमी और बिजली संकट की आशंका जताने वाली खबरों को आधारहीन बताया था। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल निराधार! किसी चीज की कोई कमी नहीं है। वास्तव में, अगर मुझे मंत्री (आरके सिंह) का बयान याद आता है, तो हर बिजली उत्पादन केंद्र के पास अगले चार दिनों का स्टॉक उसके परिसर में उपलब्ध है और आपूर्ति श्रृंखला बिल्कुल भी नहीं प्रभावित हुई है।' सीतारमण ने कहा कि इस तरह की कोई कमी नहीं होने वाली है जिससे बिजली आपूर्ति में कमी हो सकती है। ऐसे में भारत की बिजली को लेकर स्थिति ठीक है। अब हम एक पावर सरप्लस देश हैं। सीतारमण ने यहां भारत में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान को लेकर कहा कि दशकों से भारत ने धीरे-धीरे अपनी संस्थागत व्यवस्थाएं तैयार की हैं। यहां ग्रामीण स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं जो उन

इलाकों में मरीजों को मूलभूत प्राथमिक सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि इन स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों को जरूरी टीके लगाए जाते हैं और पोलियो के प्रसार को रोकने में भी इन स्वास्थ्य केंद्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत सरकार ने 100 करोड़ खुराकों का प्रबंधन कैसे किया, इसे लेकर सीतारमण ने कहा कि कोरोना के खिलाफ टीका जैसे ही उपलब्ध हुआ हम इसे लोगों को लगाने के लिए तैयार थे। हम दूर-दराज के इलाकों में भी गए और वहां लोगों को टीके की खुराकें लगाई। उन्होंने कहा कि टीके को लाने-जाने के दौरान उचित तापमान में रखना हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन सौभाग्य से जिन दो टीकों का हम उपयोग कर रहे हैं उन्हें लाने-ले जाने में इस तरह की समस्या नहीं आई।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com